सब का सपना

निष्पक्ष व निडर-हिंदी दैनिक समाचार पत्र

कॉस्मेटिक सर्जरी को लेकर बोलीं रकुलप्रीत -पेजः 8

तेंदुलकर सहित क्रिकेट दिग्गजों ने की.... -पेजः 8

वर्षः 01 | अंकः 26 | बुधवार- 30 अप्रैल 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्यः 4 रुपए

संक्षिप्त समाचार

उत्तर प्रदेशः पारदर्शी प्रक्रिया से विभिन्न भर्तियों से 8.5 लाख से अधिक युवाओं को मिली सरकारी नौकरी

लखनऊ (एजेंसी) उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार के कार्यकाल में निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती नीति के तहत विभिन्न आयोगों और भर्ती बोर्डों के

माध्यम से अब तक 8.5 लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी मिली है। एक आधिकारिक बयान में मंगलवार को यह जानकारी दी गयी। बयान के मुताबिक, प्रदेश में बेरोजगारी दर में ऐतिहासिक कमी दर्ज की गई है। बयान में बताया गया कि वर्ष 2016 में जहां प्रदेश में बेरोजगारी दर 18 प्रतिशत थी, वहीं वर्तमान में दर घटकर महज तीन प्रतिशत रह गई है। बयान के मुताबिक, प्रदेश सरकार के सतत प्रयासों के परिणाम स्वरूप बेरोजगारी दर में छह गुना कमी आई है। बयान में बताया गया कि प्रदेश सरकार की निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती नीति के तहत विभिन्न आयोगों और भर्ती बोर्डों के माध्यम से अब तक 8.5 लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी मिली है। बयान के मुताबिक, इनमें पुलिस, शिक्षा, स्वास्थ्य, राजस्व जैसे तमाम विभागों की भर्तियां शामिल हैं।

वाराणसी में सामूहिक दुष्कर्म के मामले में आरोपी की जमानत याचिका खारिज

वाराणसी (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले की एक अदालत ने 19 वर्षीय युवती से कथित सामूहिक दुष्कर्म के मामले में एक आरोपी की जमानत याचिका मंगलवार को खारिज कर दी। सरकारी वकील मनोज गुप्ता ने बताया कि अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (फास्ट ट्रैक अदालत) कुलदीप सिंह ने मामले के संबंध में आरोपी अनमोल गुप्ता की जमानत याचिका खारिज कर दी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही में वाराणसी के अपने दौरे के दौरान मामले की विस्तृत जानकारी मांगी थी और अधिकारियों को सख्त व तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। एक अधिकारी ने बताया कि दुष्कर्म पीड़िता ने छह अप्रैल को शिकायत दर्ज कराई थी और आरोप लगाया था कि 29 मार्च से चार अप्रैल के बीच कई स्थानों पर 23 लोगों ने उससे सामूहिक दुष्कर्म किया था।

पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था, जिसमें 70(1) (सामूहिक दुष्कर्म), 74 (यौन हमला), 123 (जहर या अन्य तरीकों से नुकसान पहुंचाना), 126(2) (गलत तरीके से रोकना), 127(2) (गलत तरीके से बंधक बनाना) और 351(2) (आपराधिक धमकी) शामिल हैं। आरोपी के परिवार के सदस्यों ने वाराणसी पुलिस आयुक्त को एक ज्ञापन सौंपा था, जिसमें आरोप लगाया था कि महिला मामले से नाम वापस लेने के लिए रुपयों की मांग कर रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कथित घटना की अवधि के दौरान महिला ने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट किए थे, जिसमें वह हंसती और यात्रा करती दिखाई दे रही थी।

आरोपी के परिवार के सदस्यों ने यह भी आरोप लगाया कि सीसीटीवी फुटेज में महिला को कथित तौर पर मोटरसाइकिल चलाते हुए देखा गया था।

पुलिस आयुक्त ने इन आरोपों के बाद मामले की विस्तृत जांच और 30 दिनों के भीतर रिपोर्ट सौंपने के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया था।

न्यायालय ने 'बिल्डर-बैंक की साठगांठ' पर सीबीआई जांच के आदेश दिए

नयी दिल्ली (एजेंसी) उच्चतम न्यायालय ने आवास खरीदारों से धोखाधड़ी करने के लिए बैंकों और रियल एस्टेट डेवलपर्स के बीच 'नापाक' गठजोड़ का उल्लेख करते हुए मंगलवार को सीबीआई को सुपरटेक लिमिटेड सहित एनसीआर के बिल्डरों के खिलाफ सात प्रारंभिक जांच दर्ज करने का निर्देश दिया।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने प्रथम दृष्टया पाया कि नोएडा, गुरुग्राम, यमुना एक्सप्रेसवे, ग्रेटर नोएडा, मोहाली, मुंबई, कोलकाता और इलाहाबाद में बैंकों और बिल्डरों के बीच साठगांठ है। पीठ ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दाखिल हलफनामे का संज्ञान लिया और उत्तर प्रदेश, हरियाणा के पुलिस महानिदेशकों (डीजीपी) को विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने के लिए पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी), निरीक्षक, कांस्टेबल की सूची एजेंसी को देने का निर्देश दिया।

शीर्ष अदालत ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण, नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ)/ प्रशासकों, आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के सचिव, भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को निर्देश दिया कि वे एसआईटी को आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए एक सप्ताह के भीतर अपने वरिष्ठतम अधिकारियों में से एक नोडल अधिकारी को नामित करें।

पीठ ने कहा कि वह मासिक आधार पर जांच की स्थिति की निगरानी करेगी।

इस मामले में 'एमिकस क्यूरी' (अदालत का सहयोग करने वाले वकील) अधिवक्ता राजीव जैन ने सुपरटेक को आवास खरीदारों के साथ धोखाधड़ी करने में ''मुख्य दोषी'' बताया, जबकि कॉरपोरेशन बैंक ने भुगतान योजनाओं के माध्यम से बिल्डरों को 2,700 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया। अदालत को बताया गया कि सुपरटेक के पास छह शहरों में 21 परियोजनाएं थीं, जिनमें 19 बैंकों के साथ करार था। इनमें 800 ऐसे आवास खरीदार शामिल हैं जो धोखाधड़ी का शिकार हुए। 'एमिकस क्यूरी' की रिपोर्ट से पता चला है कि अकेले सुपरटेक ने 1998 से 5,157.86 करोड़ रुपये का ऋण प्राप्त किया था। रिपोर्ट में कहा गया कि इसलिए सुपरटेक और बैंकों के बीच अंतर्निहित साठगांठ की प्राथमिकता के आधार पर जांच की आवश्यकता है। भुगतान योजना के तहत, बैंक स्वीकृत राशि को सीधे बिल्डरों के खातों में वितरित करते हैं, जिन्हें तब तक स्वीकृत ऋण राशि पर ईएमआई का भुगतान करना होता है जब तक कि फ्लैट घर खरीदारों को नहीं सौंप दिए जाते। त्रिपक्षीय समझौते के अनुसार, जब बिल्डरों ने बैंकों को ईएमआई का भुगतान करने में चूक करना शुरू कर दिया, तो बैंकों ने आवास खरीदारों से ईएमआई मांगी। उच्चतम न्यायालय ने पूर्व में कहा था कि हजारों आवास खरीदार इस तरह की भुगतान योजना से प्रभावित हुए, जहां बैंकों ने निर्धारित समय के भीतर परियोजनाएं पूरी किए बिना बिल्डरों को आवास ऋण राशि का 60 से 70 प्रतिशत भुगतान कर दिया। शीर्ष अदालत ने तब सीबीआई को मामले की तह तक जाने के लिए एक खाका प्रस्तुत करने का आदेश दिया था कि वह किस तरह ''बिल्डर-बैंकों के गठजोड़'' को बेनकाब करने की योजना बना रहा है, जिसने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में हजारों आवास खरीदारों को धोखा दिया। शीर्ष अदालत कई आवास खरीदारों द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिन्होंने एनसीआर क्षेत्र विशेष रूप से नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गुरुग्राम में विभिन्न आवास परियोजनाओं में विभिन्न भुगतान योजनाओं के तहत फ्लैट बुक किए थे। उनका आरोप है कि फ्लैटों पर कब्जा नहीं होने के बावजूद बैंकों की ओर से उन्हें ईएमआई का भुगतान करने के लिए मजबूर किया जा रहा है।

शिक्षा प्रणाली को आधुनिक बनाने की दिशा में काम कर रही सरकार: प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली (एजेंसी) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि देश के भविष्य के लिए युवाओं को तैयार करने में शिक्षा प्रणाली एक अहम भूमिका निभाती है और सरकार इसे आधुनिक बनाने की दिशा में काम कर रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने यहां भारत मंडपम में 'युग्म' नवाचार सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि विचार (आइडिया) की 'प्रोटोटाइप' से 'प्रोडक्ट' तक की यात्रा कम से कम समय में पूरी होना जरूरी है।

एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग, एडवांस्ड एनालिटिक्स, अंतरिक्ष तकनीक, स्वास्थ्य तकनीक और सिंथेटिक जीव विज्ञान को लगातार बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल देते हुए मोदी ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के विकास और अपनाने में भारत की अग्रणी स्थिति पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, ''किसी भी देश का भविष्य उसकी युवा पीढ़ी पर निर्भर होता है, इसलिए यह जरूरी है कि हम अपने युवाओं के भविष्य के लिए और उन्हें भारत के उज्ज्वल भविष्य के लिए तैयार करें।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि इसमें बड़ी भूमिका देश की शिक्षा प्रणाली की भी होती है, इसलिए हम देश की शिक्षा प्रणाली को 21वीं सदी की जरूरतों के मुताबिक आधुनिक बना रहे हैं।

उन्होंने कहा, ''हमने विकसित भारत के लक्ष्य के लिए अगले 25 वर्षों की समयसीमा तय की है। हमारे पास समय सीमित है, लक्ष्य बड़े हैं। इसलिए जरुरी है कि हमारे विचार (आइडिया) की 'प्रोटोटाइप' से 'प्रोडक्ट' तक की यात्रा भी कम से कम समय में पूरी हो।'' मोदी ने कहा कि प्रयोगशाला से बाजार की दूरी कम करके अनुसंधान के परिणाम लोगों तक तेजी से पहुंचते हैं और अनुसंधानकर्ताओं को प्रोत्साहन मिलता है। उन्होंने कहा, ''इससे अनुसंधान, नवाचार और मूल्य संवर्धन के चक्र में तेजी आती है।''

मोदी ने राजनाथ, डोभाल व तीनों सेनाओं के प्रमुखों के साथ बैठक की अध्यक्षता की

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और तीनों सेनाओं के प्रमुखों सहित शीर्ष रक्षा अधिकारियों के साथ बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान भी शामिल हुए। यह बैठक पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा उठाए जाने वाले कदमों पर विचार किए जाने के बीच हुई। पहलगाम हमले में कम से कम 26 नागरिक मारे गए थे, जिनमें से अधिकतर पर्यटक थे। प्रधानमंत्री मोदी ने इस हमले में शामिल आतंकियों और उनके आकाओं को सख्त संदेश देते हुए कड़ी सजा देने की बात कही थी।

'आप' ने दिल्ली नगर निगम में अंकुश नारंग को नेता प्रतिपक्ष नियुक्त किया

नयी दिल्ली (एजेंसी) आम आदमी पार्टी (आप) ने रणजीत नगर से पार्षद अंकुश नारंग को दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में विपक्ष का नेता नियुक्त किया है। मंगलवार को एमसीडी सचिव को लिखे पत्र में 'आप' की दिल्ली इकाई के प्रमुख सौरभ भारद्वाज ने लिखा, ''मुझे आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि वार्ड नंबर 87 (रणजीत नगर) से पार्षद अंकुश नारंग को दिल्ली नगर निगम में विपक्ष का नेता नियुक्त किया गया है।''

यह घटनाक्रम एमसीडी में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के फिर से सत्ता में आने के कुछ दिनों बाद हुआ है। महापौर चुनाव के नतीजे 25 अप्रैल को घोषित किये गए थे। राजा इकबाल सिंह महापौर चुने गए। उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार मंदीप सिंह को 125 मतों के अंतर से हराया। 'आप' ने महापौर चुनाव का बहिष्कार किया था।

वर्तमान में, 250 सदस्यीय नगर निकाय में भाजपा के 117 सदस्य हैं। 'आप' के 113 और कांग्रेस के आठ पार्षद हैं।

संसद के विशेष सत्र की मांग करने से पहले

कांग्रेस अपने संगठन पर ध्यान दे: शिवसेना

नयी दिल्ली (एजेंसी) शिवसेना ने पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद कांग्रेस के कई नेताओं द्वारा व्यक्त किए गए विवादास्पद विचारों को लेकर विपक्षी पार्टी से मंगलवार को कहा कि वह संसद के विशेष सत्र की मांग करने से पहले अपने संगठन की ओर ध्यान दे और उसमें सुधार करे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सहयोगी पार्टी शिवसेना के संसदीय दल के अध्यक्ष श्रीकांत शिंदे ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि उसे तत्काल अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) का सत्र बुलाकर अपने वरिष्ठ नेताओं द्वारा दिए गए ₹बेहद आपत्तिजनक₹ बयानों पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए।

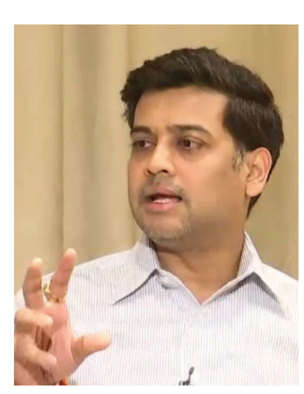

इन वक्तव्यों में पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ितों के बयानों पर सवाल उठाना और पाकिस्तान के विमर्श को दोहराना शामिल है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी में देश भर के कांग्रेस के प्रतिनिधि होते हैं, जिनमें इसके वरिष्ठतम पदाधिकारी भी शामिल हैं।

शिंदे ने आपत्तिजनक टिप्पणी करने के लिए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया, उनके मंत्रिमंडलीय सहयोगी आर बी तिम्मापुर, महाराष्ट्र के नेता विजय वडेट्टीवार और जम्मू-कश्मीर के सैफुद्दीन सोज और तारिक हमीद कर्रा सहित कांग्रेस के कई नेताओं का नाम लिया।

सोज और कर्रा दोनों ने पाकिस्तान के साथ सुलह करने का सुझाव दिया, जबकि कुछ अन्य ने जीवित बचे लोगों के इन बयानों पर सवाल उठाया जिनमें कहा गया था कि आतंकवादियों ने पीड़ितों का धर्म पूछा था। शिंदे ने कहा, यहां तक कि रॉबर्ट वाड्रा की यह टिप्पणी कि आतंकवादी भारत में मुसलमानों के साथ कथित दुर्व्यवहार पर प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे हैं, राष्ट्रीय संवेदनशीलता और नैतिक जिम्मेदारी की हर सीमा को लांघती है।

उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी को देश को जवाब देना चाहिए। क्या वह आतंकवाद के पीड़ितों के साथ खड़ी है या आतंकवादियों के लिए बहाने बनाने वालों के साथ? इस पाखंड को छुपाया नहीं जा सकता। शिंदे ने कहा कि भारत को आतंकवाद के खिलाफ मजबूत और एकजुट राजनीतिक प्रतिक्रिया की जरूरत है, न कि खंडित और तुष्टीकरण से प्रेरित विमर्श की।

दिल्ली में स्कूल फीस विनियमित करने के विधेयक को मंजूरी

नयी दिल्ली(एजेंसी) दिल्ली के मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय राजधानी के निजी और सरकारी स्कूलों में फीस को विनियमित करने के प्रावधान वाले एक विधेयक को मंगलवार को मंजूरी दे दी। इस फैसले से हर साल मनमाने ढंग से फीस बढ़ाने का मुद्दा उठाने वाले अभिभावकों को बड़ी राहत मिलेगी।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सरकार के निर्देशों का पालन न करने पर स्कूलों पर एक लाख रुपये से लेकर 10 लाख रुपये तक का कठोर जुर्माना लगाया जाएगा।

गुप्ता ने इस कदम को साहसिक व ऐतिहासिक₹ करार देते हुए कहा कि भाजपा सरकार दिल्ली स्कूल शिक्षा पारदर्शिता निर्धारण एवं शुल्क विनियमन विधेयक, 2025 को पारित करने के

उल्लंघनकर्ता पर लगेगा भारी जुर्माना

लिए तत्काल दिल्ली विधानसभा का सत्र बुलाएगी। शिक्षा मंत्री आशीष सूद के साथ मौजूद मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले दिनों इस मुद्दे पर व्यापक रूप से चर्चा हुई और कुछ स्कूलों की गतिविधियों व फीस वृद्धि के नाम पर छात्रों के ₹उत्पीड़न₹ की शिकायतों के कारण अभिभावकों में ₹घबराहट₹ थी।

उन्होंने कहा, दिल्ली की पिछली सरकारों ने फीस वृद्धि को रोकने के लिए कोई प्रावधान नहीं किया। निजी स्कूलों द्वारा फीस वृद्धि को रोकने में सरकार की मदद करने के लिए कोई दिशानिर्देश नहीं था। सूद ने कहा कि विधेयक में स्कूल, जिला व राज्य स्तर पर तीन स्तरीय समितियों के गठन का प्रस्ताव है।

इससे स्कूल फीस निर्धारित करने की प्रक्रिया में बहुत जरूरी पारदर्शिता वसंरचना आएगी और अभिभावकों को अनियमित बढ़ोतरी से बचाया जा सकेगा।

उन्होंने कहा कि पूरी प्रक्रिया समयबद्ध होगी, ताकि अभिभावकों को किसी तरह की परेशानी न हो।

शिक्षा मंत्री के अनुसार, पहले स्तर पर प्रत्येक स्कूल एक स्कूल स्तरीय फीस विनियमन समिति का गठन करेगा।

निर्माण श्रमिकों के बच्चों को वित्तीय सहायता के लिए आवेदन आमंत्रित

नयी दिल्ली (एजेंसी) दिल्ली सरकार ने सभी सरकारी स्कूलों को श्रम कल्याण बोर्ड में पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों के लिए कल्याणकारी योजना के तहत वित्तीय सहायता के वास्ते पात्र विद्यार्थियों का विवरण 30 मई तक प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

शिक्षा निदेशालय ने 25 अप्रैल को जारी एक परिपत्र में निर्देश दिया है कि इस योजना के लिए प्रति पंजीकृत श्रमिक के अधिकतम दो बच्चों पर विचार किया जा सकता है, तथा उनका डेटा उक्त तिथि तक

ऑनलाइन मॉड्यूल में दर्ज किया जाए। परिपत्र के मुताबिक, शिक्षा निदेशालय ने कहा है कि आवेदन प्रक्रिया के लिए श्रम विभाग द्वारा जारी विशिष्ट पंजीकरण पहचान संख्या की जरूरत है तथा इसके अलावा अभिभावकों या छात्रों से कोई अतिरिक्त दस्तावेज स्वीकार नहीं किया जाएगा।

इसके अनुसार, वित्तीय सहायता कक्षा के आधार पर प्रति छात्र प्रति वर्ष 6,000 रुपये से लेकर 12,000 रुपये तक होती है। परिपत्र में कहा गया है कि पहली से 8वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों को 500 रुपये प्रति माह, नौवीं और 10वीं के विद्यार्थियों को 700 रुपये प्रति माह, जबकि 11वीं और 12वीं के कक्षा के विद्यार्थियों छात्रों को 1,000 रुपये प्रति माह मिलेंगे।

संपादकीय

जम्मू-कश्मीर विधानसभा की सार्थक पहल

ऐसे वक्त में जब पहलगाम आतंकी हमले के बाद पूरा देश दुख और गुस्से की मन:स्थिति से गुजर रहा है, जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने शांति और सांप्रदायिक सद्भाव का एक सशक्त संदेश दिया है। जो कि वक्त की जरूरत भी थी। जम्मू-कश्मीर विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान सदन ने सर्वसम्मति से इस वीभत्स हत्याकांड की पुरजोर निंदा करते हुए बाकायदा एक प्रस्ताव पारित किया। जिस आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया, लोगों को आक्रोशित तथा दुखी किया, उसके खिलाफ जम्मू-कश्मीर विधानसभा का विशेष सत्र बुलाना व निंदा प्रस्ताव पारित करना निश्चित रूप से देश के जख्मों पर मरहम लगाने जैसा ही है। निश्चय ही यह संदेश देश की गंगा-जमुनी संस्कृति के अनुरूप ही है। निर्विवाद रूप से आतंकियों का कोई धर्म नहीं होता है, लेकिन हर धर्म के व्यक्ति को खुले मन से आतंकियों की निंदा करनी चाहिए। यह विडंबना ही है कि यह भयावह घटना राज्य से केंद्रशासित बने जम्मू-कश्मीर में शांतिपूर्ण और सक्रिय भागीदारी वाले विधानसभा चुनावों के बाद उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार के सत्ता में आने के छह माह बाद हुई। ऐसे में मुख्यमंत्री के लिये सबसे बड़ी चुनौती यह सुनिश्चित करना है कि संवेदनशील केंद्र शासित प्रदेश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया के पुनरुद्धार से होने वाले लाभ यूं ही व्यर्थ न चले जाएं। यह सकारात्मक संदेश ही है कि जम्मू-कश्मीर के लोगों ने आतंक को सिरे से खारिज किया है। यही वजह है कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला नरसंहार के बाद घाटी के लोगों के दिलों से सीधे निकल रहे आक्रोश और दुख को कश्मीर के लिये एक उम्मीद की किरण के रूप में देखते हैं। जो पाक पोषित आतंकवाद को नकारने जैसा ही है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने विधानसभा में कहा भी कि इस केंद्रशासित प्रदेश की हर मस्जिद में पहलगाम हमले में मारे लोगों की याद में मौन रखा गया। जो यह बताता है कि धर्म-संप्रदाय से परे लोग पूरे देश की संवेदनाओं को महसूस करते हैं। साथ ही आतंकवाद को सिरे से खारिज भी करते हैं। निश्चित रूप से इस नये कश्मीर से आया यह संकेत दिल को छूने वाला है। जो यह भी बताता है कि अभी भी सब कुछ खत्म नहीं हुआ है। निश्चित रूप से राष्ट्रीय एकता, करुणा और लचीलेपन की यह भावना स्वागत योग्य है। साथ ही यह भी उम्मीद जगी है कि यह नई सोच विघटनकारी ताकतों का मुकाबला कर सकती है। उन अलगाववादियों का जो विकासशील जम्मू-कश्मीर को फिर से 1990 के दशक की शुरुआत के बुरे दौर में धकेलना चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री होने के नाते उमर अब्दुल्ला ने स्पष्ट रूप से स्वीकार किया किया है कि वे राज्य में आये पर्यटकों को सुरक्षित घर वापस भेजने की अपनी जिम्मेदारी में विफल रहे हैं।

किसान उत्पादक संगठन का बढ़ता कारवां

» उमेश चतुर्वेदी
लेखक- वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं

किसान उत्पादक संगठन यानी एफपीओ क्या हैं? एफपीओ दरअसल कंपनी अधिनियम के चौदहवें भाग के खंड ए के तहत सहकारी समिति अधिनियम के तहत पंजीकृत किसान-उत्पादक संगठन हैं। खेती-किसानी और उससे जुड़ी गतिविधियों और उत्पादन के साथ ही विपणन से फायदा उठाने की कोशिश के तहत इन संगठनों को खड़ा किया गया है।

साल 2014 के आम चुनावों के वक्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुआई वाली भारतीय जनता पार्टी ने अपने घोषणा पत्र में साल 2022 तक भारतीय किसानों की आय दोगुना करने का वादा किया था। भारतीय कृषि की चुनौतियों को देखते हुए इस लक्ष्य को हासिल करना आसान नहीं। भारतीय किसान मेहनत तो खूब करता है, लेकिन आधुनिकीकरण की कमी, मांग और स्थान के लिहाज से व्यवस्थित आपूर्ति प्रबंधन की कमी और कृषि जोत में लगातार कमी के चलते उसे उसके परिश्रम का वाजिब फल नहीं मिल पाता। इन्हीं समस्याओं को देखते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने किसान उत्पादक संगठन की परिकल्पना की, इसके अंग्रेजी शब्दों के पहले अक्षर के नाम पर इसे एफपीओ के नाम से भी जाना जाता है। इस परिकल्पना को प्रधानमंत्री मोदी ने 29 फरवरी 2020 को मूर्त रूप दिया। इस योजना की सफलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसे लागू होने के ठीक पांच साल बाद यानी 24 फरवरी 2025 को बिहार के भागलपुर में प्रधानमंत्री ने दस हजारवें एफपीओ की शुरूआत की। बिहार के खगड़िया जिले में पंजीकृत इस एफपीओ का मकसद मक्का, केला और धान की फसल के उत्पादन और उसके विपणन पर है।

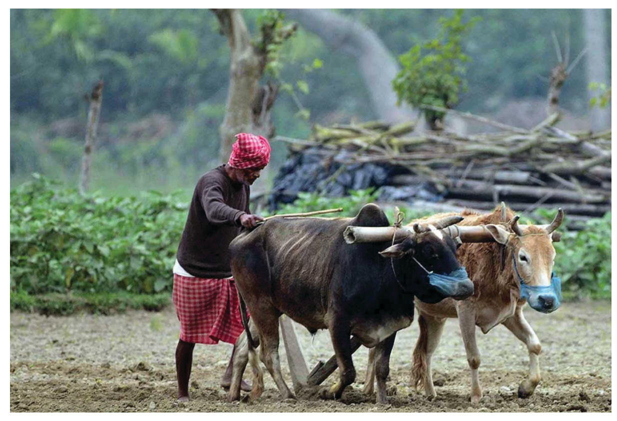

बहरहाल एफपीओ योजना के तहत साल 2027-28 तक के लिए सरकार ने छह हजार 865 करोड़ रूपए का प्रावधान किया है। इनकी मदद से एफपीओ को वित्तीय संसाधन मुहैया हुआ। इककी वजह से आज एफपीओ ना सिर्फ किसान संगठन हैं, बल्कि किसानों की आय बढ़ाने और छोटे किसानों को अहम बाजार लाभ, मोल-भाव की ताकत और बाजार तक पहुंच में सुधार की दिशा में सीधी पहुंच मुहैया कराने वाला मंच बन चुका है। इस मंच ने किसानों को सामूहिक सौदेबाजी की ताकत दी है। अब तक के उपलब्ध आंकड़ों के हिसाब से देखें तो देश के पंजीकृत एफपीओ में करीब 30 लाख किसान सीधे जुड़े हुए हैं। जिनमें करीब 40 प्रतिशत महिलाएं हैं। सरकारी समर्थन, बाजार तक सीधी पहुंच और सहकारी प्रयास की वजह से ये एफपीओ कृषि क्षेत्र में अब हजारों करोड़ रुपये का ना सिर्फ सीधे कारोबार कर रहे हैं, बल्कि किसानों की समृद्धि बढ़ाने में भी सहयोगी बने हुए हैं।

सबसे पहले जानते हैं कि किसान उत्पादक संगठन यानी एफपीओ क्या हैं? एफपीओ दरअसल कंपनी अधिनियम के चौदहवें भाग के खंड ए के तहत सहकारी समिति अधिनियम के तहत पंजीकृत किसान-उत्पादक संगठन हैं। खेती-किसानी और उससे जुड़ी गतिविधियों और उत्पादन के साथ ही विपणन से फायदा उठाने की कोशिश के तहत इन संगठनों को खड़ा किया गया है। एफपीओ के सदस्य किसान होते हैं, इस लिहाज से कह सकते है कि एफपीओ एक तरह से किसान-सदस्यों द्वारा नियंत्रित उनका अपना स्वैच्छिक संगठन है। इसके सदस्य इसकी नीतियों के निर्माण और उन पर फैसला लेने में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। इनकी सदस्यता के लिए लिंग, समाज, नस्ल, राजनीतिक या धार्मिक विचार आदि का ध्यान नहीं रखा जाता। इन सदस्यता उन सभी लोगों को मिल सकती है, जो इसकी सेवाओं का उपयोग तो कर ही सकते हैं, सदस्यता की ज़िम्मेदारी को स्वीकार कर सकते हैं। एफपीओ के संचालक अपने किसान-सदस्यों, निर्वाचित प्रतिनिधियों, प्रबंधकों एवं कर्मचारियों को जरूरी शिक्षा और प्रशिक्षण मुहैया कराते हैं, ताकि वे अपने संगठन के विकास में प्रभावी भूमिका निभा सकें। सहकारी आंदोलन प्रभावी राज्यों मसलन, गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान आदि में इन्होंने बेहद उत्साहजनक नतीजे दिखाए हैं।

इस आंदोलन में महिलाओं की भागीदारी जबरदस्त तरीके से बढ़ रही है। साल 2024 के आंकड़े के अनुसार, इस साल तक रजिस्टर्ड हुए 810 एफपीओ ऐसे रहे, जिनकी प्रत्येक सदस्य सिर्फ महिलाएं हैं। बहरहाल एफपीओ के जरिए किसान अपनी उपज के बदले बेहतर कमाई कर पा रहे हैं।

राजस्थान के पाली ज़िले की आदिवासी महिलाओं ने एक उत्पादक कंपनी का गठन किया और इसके माध्यम से उन्हें शरीफा/कस्टर्ड एप्पल के उच्च मूल्य प्राप्त हो रहे हैं। इन संगठनों के गठन के पीछे की अवधारणा बुनियादी रूप से किसानों के कल्याण पर केंद्रित है। इसके जरिए कृषि उत्पाद तैयार करने वाले किसान अपने लिए समूह बना सकें। शुरू में ही दस हजार संगठनों के गठन का असल मकसद, स्थायी आमदनी केंद्रित खेती-किसान और उत्पादन को बढ़ावा देना और किसानों की आय बढ़ाना है। इस योजना पर साल 2027-28 तक छह हजार 865 करोड़ रुपए के साथ शुरू किया गया था।

सरकार इस योजना की सफलता को लेकर कितनी संजीदा है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस योजना के तहत गठित हर नए एफपीओ को पांच साल तक हैंडहोल्डिंग समर्थन के साथ ही उन्हें तीन साल तक प्रबंधन खर्च के लिए 18 लाख रुपये की वित्तीय सहायता दी जा रही है। इसके साथ ही एफपीओ के प्रत्येक सदस्य किसान को दो हजार रुपए का प्रतिभूति अनुदान दिया जाएगा। जिसकी सीमा प्रति एफपीओ 15 लाख रुपये होगी। इसके साथ ही उन्हें संस्थागत ऋण सुनिश्चित करने के लिए हर एफपीओ को दो करोड़ रुपये तक के परियोजना ऋण की गारंटी सुविधा दी जा रही है।

भारतीय किसानों की सबसे बड़ी समस्या उनकी पैदावार को सही जगह और खरीददार तक पहुंचाने के लिए व्यवस्थित प्रबंधन की कमी है। इसके साथ ही भारतीय खेती की जोत लगातार कम होती चली गई है।

मुद्दा

वैश्विक जगत भारत के साथ वहीं भारत के विरोधी दल देश के गुनाहगारों के साथ

कश्मीर घाटी के पहलगाम हमले में 26 निहत्थे निर्दोष पर्यटकों की धर्म पूछकर और कलमा न पढ़ पाने पर की गई नृशंस हत्याओं के बाद, देश में आतंकवाद के खिलाफ भीषण आक्रोश है। देश का जन जन पाकिस्तान से बदला लेने के लिए तड़प रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले बिहार की मधुबनी रैली में और फिर "मन की बात" रेडियो कार्यक्रम में देश को विश्वास दिलाया है कि पीड़ितों को न्याय मिलकर रहेगा तथा पाकिस्तान को ऐसा दंड दिया जाएगा जिसकी उसने कल्पना भी नहीं की होगी। आतंकवादी घटनाओं के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ कि देश के गृहमंत्री तुरंत अपने सभी कार्यक्रम रद्द करके घटनास्थल पहुंचे और पीड़ितों के साथ खड़े रहे। इस घटना के बाद से भारत के आतंकवाद से निपटने के निर्णय को विश्व के सभी प्रमुख देशों ने अपना पूरा समर्थन दिया है। लगभग पूरा वैश्विक समुदाय संकट की इस घड़ी में भारत के साथ खड़ा हुआ दिखाई दे रहा है। भारत के विरोधी दलों की स्थिति इसके पूर्णतया विपरीत है। भारत सरकार द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में तो विपक्ष ने सरकार का साथ देते हुए पहलगाम हमले की निंदा की तथा सरकार के निर्णयों का पूर्ण समर्थन देने की बात की किन्तु कुछ ही घंटों में इनके तेवर बदल गए और ये वापस अपनी तुष्टीकरण की राजनीति में लग गए। स्वाभाविक रूप से इनके पाकिस्तान परस्त एजेंडा का नेतृत्व कांग्रेस पार्टी कर रही है जिसने अपनी सोशल मीडिया टीम के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विरुद्ध अत्यंत निंदनीय कैम्पेन आरम्भ किया है। कांग्रेस पार्टी द्वारा जारी एक ताजा मीम में प्रधानमंत्री का शीर्ष रहित स्केच दिखाया गया है। कांग्रेस सहित विपक्ष के सभी नेता और प्रवक्ता टीवी चैनलों तथा सार्वजनिक मंचों पर जिस प्रकार की बयानबाजी कर रहे हैं उससे स्पष्ट है इनको देश से कोई मतलब नहीं है बस अपने वोट बैंक को खुश करना है भले ही देश की सुरक्षा को दांव पर क्यों न लगाना पड़े।

आज कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, राजद और आम आदमी पार्टी के प्रवक्ताओं की बयानबाजी कर रहे हैं इन नेताओं के गिरे हुए स्तर का प्रमाण है। पाकिस्तानी माडिया व यूटूबूर्स विरोधी दलों के इन्हीं नेताओं के बयानों को आधार मानकर भारत के खिलाफ प्रोपोगैंडा चला रहा है। सबसे पहले गांधी परिवार के दामाद रॉबर्ट वाड्रा जिस पर आर्थिक भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है उसने आपत्तिजनक बयान दिया फिर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया जो मुस्लिम तुष्टीकरण और जातिवाद की राजनीति में गले तक फंसे हैं ने कहा कि इस समय पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध छेड़ने की कोई आवश्यकता नही है। कर्नाटक सरकार के ही एक मंत्री ने कहा कि आतंकियो ने धर्म पूछ कर हत्याएं नहीं की हैं। महाराष्ट्र कांग्रेस के नेता और विधायक विजय वडेटटीवार ने पीड़ितों की गवाही पर ही प्रश्न खडे. कर दिए। उनका कहना है कि क्या आतंकवादियों के पास लोगों को गोली मारने से पहले उनका धर्म पूछने का समय होता है। उनसे पहले बिलकुल यही टिप्पणी कर्नाटक के मंत्री आरबी थिम्मापुर ने की थी। जब जनता में इन विधायकों के खिलाफ आक्रोष बढ़ा तब ये अपने बयान से पलट गए। उधर कांग्रेस नेता सैफुद्दीन सोज अनगर्ल बयानबाजी कर चुके हैं। कांग्रेस का पूरा आईटी सेल अपनी गालीबाज प्रवक्ता के नेतृत्व में अनर्गल प्रलाप कर रहा है।

उत्तर प्रदेश में समाजवादी मुखिया अखिलेश यादव को राज्य में मुस्लिम तुष्टिकरण और पीडीए राजनीति की चिंता है और यही कारण है कि वे कहते हैं कानपुर के शहीद शुभम द्विवेदी के परिवार से उनका कोई संबंध नहीं है और उनके घर जाने का उनके पास समय नहीं हैं। वहीं सरकार को घेरने के लिए वो बलिदानियों को 10-10 करोड़ का मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं और भाजपा सरकार पर हमलावर हैं। स्मरणीय है कि ये यह वही अखिलेश यादव हैं जो माफिया मुख्तार और अतीक अहमद के घर जाकर मर्सिया पढ़ते हैं। यह वही अखिलेश यादव हैं जिन्होंने 2012 से 2017 के मध्य संविधान को दरकिनार रखते हुए आतंकवादियां की रिहाई का हरसंभव प्रयास किया था।

पर्सनालिटी

फादर ऑफ मॉडर्न इंडियन आर्ट कहे जाते हैं राजा रवि वर्मा, भारतीय इतिहास को बनाया था रंगीन

भारतीय कला के इतिहास के सबसे महान चित्रकार और कलाकार राजा रवि वर्मा का 29 अप्रैल को जन्म हुआ था। उन्होंने अपने समय के सभी राजाओं के दरबारों को अपनी चित्रकलाओं से सुशोभित किया था।

भारतीय कला के इतिहास के सबसे महान चित्रकार और कलाकार राजा रवि वर्मा का जन्म हुआ था। राजा रवि वर्मा अपने समय के महान चित्रकारों में से एक थे। उन्होंने अपने समय के सभी राजाओं के दरबारों को अपनी चित्रकलाओं से सुशोभित किया था। उनके द्वारा बनाई गई भगवान की चित्रकारी हर घर और हर मंदिर में पहुंची। तो आइए जानते हैं उनकी बर्थ एनिवर्सरी के मौके पर राजा रवि वर्मा के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और परिवार

तिरुवनंतपुरम के किलिमानूर पैलेस में 29 अप्रैल 1848 को राजा रवि वर्मा का जन्म हुआ था। इनके सबसे पहले गुरु उनके चाचा राजराजा वर्मा थे। उस दौरान चित्रकारी सीखने वालों को शुरूआती पाठ के लिए समतल जमीन और चॉक दी जाती थी। इस पर अभ्यास करने के बाद ही उनको कागज और पेंसिल मिलती थी।

तिरुवनंतपुरम में सीखी चित्रकला

उस दौरान बाजारों में रंग नहीं मिला करते थे, तब चित्रकार पौधों और फूलों से रंग तैयार करते थे। साल 1862 में बाल कलाकार रवि वर्मा अपने चाचा के साथ पारंपरिक तरीके से चित्रकारी सीखने के लिए तिरुवनंतपुरम आए। यहां पर आयिल्यम तिरुनाल महाराजा से मिले, जिन्होंने उनको वहीं रहकर चित्रकला सीखने की सलाह दी। इस तरह से वह इटालियल पुनर्जागरण शैली में चित्रकला सीखने लगे।
बता दें कि पश्चिमी शैली की चित्रकला और ऑयल पेंटिंग तकनीक रवि वर्मा ने थियोडोर जेंसन से सीखी थी। थियोडोर जेंसन साल 1868 में त्रिवेंद्रम पैलेस आने वाले डच चित्रकार थे। महाराजा और राज परिवार के सदस्यों के चित्र रवि वर्मा ने नई शैली में बनाए और उनकी पेंटिंग 'मुल्लप्पू चूडिया नायर स्त्री' से वह फेमस हुए। वहीं साल 1873 में चेन्नई में आयोजित चित्र प्रदर्शनी में रवि वर्मा को प्रथम पुरस्कार मिला था। वहीं इस चित्रकला को ऑस्ट्रिया के विएना में एक प्रदर्शनी में पुरस्कृत किया गया था। उनकी पेंटिंग 'शकुंतला' को साल 1876 में पुरस्कृत किया गया था।

फादर ऑफ मॉडर्न इंडियन आर्ट

राजा रवि वर्मा को फादर ऑफ मॉडर्न इंडियन आर्ट के नाम से भी जाना जाता था। उनकी एक चित्रकला 130 से अधिक सालों बाद नीलाम हुई थी। उनकी यह पेटिंग 21.61 करोड़ रुपए में बिकी थी। इस उत्कृष्ट पेंटिंग का नाम 'द्रौपदी वस्त्रहरण' था। जिसमें महाभारत में महल में कौरवों और पांडवों से घिरी द्रौपदी की साड़ी उतारने के प्रयास को दिखाया गया है। उनकी कृतियाँ भारतीय सांस्कृतिक तत्वों को पश्चिमी कला के साथ खूबसूरती से मिश्रित करती हैं।

मृत्यु

वहीं 02 अक्तूबर 1906 को राजा रवि वर्मा ने इस दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया था।

आज का इतिहास

30 अप्रॅल की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

2010 - हिन्दी चलचित्रों के सदाबहार अभिनेता देव आनंद को शुक्रवार को मुंबई में दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से तथा प्राण को "फाल्के आइकॉन" से सम्मानित किया गया।
2008 - चालक रहित विमान लक्ष्य का उड़ीसा के बालासोर ज़िले के चाँदीपुर समुद्र तट से सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया।
2007 - नेत्रहीन पायलट माइल्स हिल्टन ने विमान से आधी दुनिया का चक्कर लगाकर रिकार्ड बनाया।
2006 - 2011 क्रिकेट विश्वकप की मेजबानी भारतीय उपमहाद्वीप को मिली।
2005 - नरेश के असाधारण अधिकार बरकरार रखते हुए नेपाल में इमरजेंसी समाप्त।
2004 - फजुला (ईराक) में हिंसा में 10 अमेरिकी सैनिक मारे गये।
2002 - पाकिस्तान में राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ़ के अगले 5 वर्षों के कार्यकाल में वृद्धि के लिए जनमत संग्रह सम्पन्न।
2001 - फिलीपींस में एरुत्रादा समर्थकों द्वारा तख्ता पलट का प्रयास।
2000 - आतंकवाद से निपटने के लिए सहयोग के आहवान के साथ जी -77 शिखर सम्मेलन हवाना में सम्पन्न।
1999 - लेविंस्की-क्लिंटन मामले को दुनिया के सामने लाने वाले पत्रकार माइकल इशिकॉफ़ को अंग्रेज़ी साप्ताहिक पत्रिका न्यूज वीक का 'नेशनल मैंगनीज अवार्ड' प्रदान किया गया, हिन्द महासागर के द्वीप कोमोरोस में सेना द्वारा सत्ता पर कब्ज़ा।
1985 - अमेरिकी पर्वतारोही रिचर्ड डिक बास (55 वर्ष) माउंट एवरेस्ट पर सर्वाधिक उम्र में चढ़ने वाले व्यक्ति बने।
1945 - जर्मन तानाशाह हिटलर एवं उसकी पत्नी इवा ब्राउन द्वारा आत्महत्या।
2017- नेपाल के उच्चतम न्यायालय की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की पर महाभियोग का प्रस्ताव।

30 अप्रॅल को जन्मे व्यक्ति

1967 - मीनाक्षी लेखी - भारतीय जनता पार्टी की राजनीतिज्ञ और सक्रिय राजनेता हैं।
1966 - बीसेट्टी वेंकट सत्यवती - आंध्र प्रदेश की महिला राजनीतिज्ञ हैं।
1949 - एंटोनियो गुटेरेस - संयुक्त राष्ट्र संघ के नौवें महासचिव हैं।
1927 - फ़ातिमा बीबी - भारत में सर्वोच्च न्यायालय की भूतपूर्व न्यायाधीश थी।
1909 - आर. शंकर - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राजनीतिज्ञ तथा केरल के भूतपूर्व मुख्यमंत्री थे।
1870 - दादा साहब फाल्के - भारत के प्रसिद्ध फ़िल्म निर्माता-निर्देशक एवं पटकथा लेखक।

30 अप्रॅल को हुए निधन

2021 - रोहित सरदाना - भारतीय समाचार वक्ता थे।
2020 - चुनी गोस्वामी - प्रसिद्ध भारतीय फुटबॉलर थे।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।
9456884327/8218179552

हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान के अवसर पर

परिषदीय विद्यालयों के बच्चों को सम्मानित किया गया

सब का सपना संवाददाता

मूंढापांडे। ब्लॉक के सभागार में भारत रत्न बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर के जन्मदिवस हमारा संविधान हमारा स्वभिमान पखबाड़े के समापन अवसर पर ब्लॉक के परिषदीय विद्यालयों में उत्कृष्ट कार्य करने बाले बच्चो को मूंढापांडे ब्लॉक प्रमुख, बीडीओ व बीईओ द्वारा सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख मूंढापांडे डॉ नवदीप यादव ने डॉ भीमराव अम्बेडकर के जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते हुए सरकार द्वारा डॉ भीमराव अम्बेडकर जन्मदिवस पर विभिन्न योजनाओं पर समाज के उत्थान हेतु किये गए कार्यो पर प्रकाश डाला।

बीडीओ अशोक कुमार ने संविधान के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बच्चों को उनके जीवन से प्रेरणा लेने का आहान किया। खण्ड शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार ने कहा कि महिलाओं को समान अधिकार दिलाने के साथ ही कहा कि शिक्षा समाज में बराबरी लाती है। उन्होंने उनके विचार शिक्षा शेरनी का वह दूध है जो पिये वह दहाड़ेगा पर प्रकाश डालते हुए शिक्षा का महत्व बताया। फरमान,अल्शिफ व अल्फेज ने डॉ अम्बेडकर के जीवन दर्शन पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में ब्लॉक के परिषदीय विद्यालयों में हुई विभिन्न प्रतियोगिताओं में चयनित बच्चों को मुख्य अतिथि व अन्य अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता बीडीओ अशोक कुमार व संचालन प्रतियोगिता के नोडल शिक्षक डॉ हरनन्दन प्रसाद ने किया।

इस मौके पर एडीओ पंचायत देवेश कन्हैया, अमरीश यादव, प्रशांत सिंह, के साथ ही ब्लॉक अध्यक्ष संजय सिंह, योगराज सिंह,सुरेंद्र सिंह, जितेंद्र कुमार जोली, शीशपाल सिंह, राजेश कुमार-,अंजली सैनी, हाकिम अली, ब्रज किशोर, सुधीर सिंह, सुभाष यादव आदि शिक्षको के साथ ही सैकड़ो की संख्या में स्कूली बच्चें मौजूद रहे।

पहलगाम हमले में मारे गए लोगों को नगर पंचायत कार्यालय में मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की

स्वच्छ भारत अभियान के ब्रांड एंबेसडर जरीफ इदरीशी ने शोक व्यक्त किया

सब का सपना संवाददाता

भोजपुर। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में नगर पंचायत कार्यालय भोजपुर में, हमले में मारे गए सभी नागरिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। और इस हमले पर आक्रोश व्यक्त करते हुए शोक सभा का आयोजन किया। स्वच्छ भारत अभियान के ब्रांड अंबेडकर जरीफ इदरीशी ने मृतकों के परिवार को मुआवजा देने की मांग की।

इस मौके पर नगर पंचायत भोजपुर चेयरमैन प्रतिनिधि अर्शलान अख्तर ने कहा कि पहलगाम में निहत्थे नागरिकों पर हमला करना आतंकियों के कायराने को दिखाता है।

इस समय हम सभी देशवासियों को एक रहने की जरूरत है।

इस मौके पर अर्शमान अख्तर, अर्शलान अख्तर व सभासद यासीन सैफी, सभासद गयासुद्दीन, सभासद प्रतिनिधि इस्तेकार अहमद, अनवर कुरैशी,शरीफ अहमद, तहसीन कादरी, मुहम्मद रफी, डॉ आलम, शाकिर आदि ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

संक्षिप्त समाचार

बैंकों के आसपास संदिग्ध व्यक्ति व वाहनों का किया चेकिंग

सब का सपना संवाददाता

मुरादाबाद। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुरादाबाद के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण के दृष्टिगत जनपदीय पुलिस द्वारा मंगलवार को बैंक चेकिंग अभियान चलाकर बैंक,एटीएम तथा बैंकों के आस-पास संदिग्ध व्यक्ति,वाहनों की चेकिंग की गयी तथा बैंकों में लगे सुरक्षा व्यवस्था सम्बन्धित उपकरणों को चेक कर शाखा प्रबंधक एवं बैंक सुरक्षा ड्यूटी पर लगे सुरक्षाकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

डीआईजी ने की महत्वपूर्ण बिंदुओं पर समीक्षा गोष्ठी

सब का सपना संवाददाता

मुरादाबाद। डीआईजी मुनिराज जी द्वारा परिक्षेत्र के समस्त एसएसपी, एसपी के साथ परिक्षेत्र कार्यालय में कानून,व्यवस्था,अपराध नियंत्रण,आगामी त्यौहार, कफ़्यूर, ऑपरेशन,त्रिनेत्र,दृष्टि,कन्विक्शन, पोक्सो, महिला अपराध व अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर समीक्षा गोष्ठी कर संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

झगड़ा करने वाले के खिलाफ मुकदमा दर्ज

सब का सपना संवाददाता

भोजपुर। पुलिस को प्रार्थी निवासी ग्राम बालुभूडा सुमित कुमार ने प्रार्थना पत्र देकर बताया कि रविवार की रात्रि को मेरे गांव के अनुराग और अविनेश मेरे मकान के सामने लाठी डन्डे लेकर खड़े हो गए और गन्दी-गन्दी गालियां देने लगे में घर से बाहर निकालकर आया और दोनों से गाली देने को मना किया तो दोनों ने मुझे लाठी डन्डो से मारा पीटा जिससे मेरे शरीर में गुम चोटे लगी है और मुझे जान से मारने की धमकी दी पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच में जुट गई है।

कैंडल मार्च निकाल कर मृतक पर्यटकों को दी श्रद्धांजलि

सब का सपना संवाददाता

ठाकुरद्वारा। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर अधिवक्ता के नेतृत्व में भारी संख्या में कैंडल मार्च निकाला।कोतवाली क्षेत्र के ग्राम गावड़ी में अधिवक्ता जरीफ मलिक के नेतृत्व में भारी संख्या में लोगो ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर कैंडल मार्च निकालते हुए हमले में मारे गए निर्दोष पर्यटकों को श्रद्धांजलि दी। और देश की एकता एवं शांति के लिए सामूहिक प्रार्थना की।वही अधिवक्ता ने इस आतंकी हमले को कायराना हरकत करार देते हुए कहा कि ये हमला पर्यटकों को निशाना बनाकर किया गया है।ऐसी घटनाएं देश की अखंडता और सांप्रदायिक सौहार्द के लिए गंभीर खतरा हैं।साथ ही अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा पर भी चिंता जताते हुए सरकार से यात्रा के दौरान सुरक्षा इंतजाम पुख्ता करने की मांग की।साथ ही उन्होंने पर्यटकों की सुरक्षा में हुई चूक की निष्पक्ष जांच कराए जाने और हमले के दोषी आतंकियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की अपील की हैं।

अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर एक गंभीर रूप से घायल

सब का सपना संवाददाता

मैनाठेर। मंगलवार को समय लगभग छह बजे नेशनल हाईवे संभल कट पर मोटरसाइकिल पर सवार हिमांशु गंगवार पुत्र कृष्ण पाल उम्र करीब 28 वर्ष निवासी सैदपुर थाना भोजीपुरा जिला बरेली को किसी अज्ञात वाहन द्वारा टक्कर मार दी।जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया ये देखकर आसपास लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई।ट्रैफिक पुलिस के सहयोग से घायल हिमांशु गंगवार को डॉ शेफाली हॉस्पिटल गागन तिराहा में भर्ती किया गया है।

मुखबिर की सूचना पर अवैध शराब के साथ व्यक्ति को गिरफ्तार कर भेजा जेल

सब का सपना संवाददाता

मैनाठेर। पुलिस को चैकिंग के दौरान मुखबिर खास से सूचना मिली कि एक व्यक्ति मैनाठेर के पास कट्टे में अवैध शराब लिए खड़ा है।सूचना को अमल में लेते हुए पुलिस ने मौके पर पहुँच कर संदिग्ध लग रहे।एक व्यक्ति को रोकने का प्रयास किया तो व्यक्ति ने पुलिस को देख कर भागने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस ने व्यक्ति को पकड़ कर पूछताछ की तब उसने अपना नाम प्रेमपाल बताया जिसके पास से पुलिस ने कटटे में रखे चौबीस पव्वे अवैध देशी शराब के बरामद किए। पुलिस ने प्रेमपाल को पकड़कर थाने ले लाई।जहां पुलिस ने प्रेमपाल को अवैध शराब के मामले में जेल भेज दिया।

धोखाधड़ी व ठगी करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

- कब्जे से दो अदद फर्जी आधार कार्ड, व 3000 रुपये नगद ,तीन अदद मोबाइल फोन व घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल हीरो एक्सट्रीम बिना नंबर की प्लेट की बरामद किए गए

सब का सपना संवाददाता

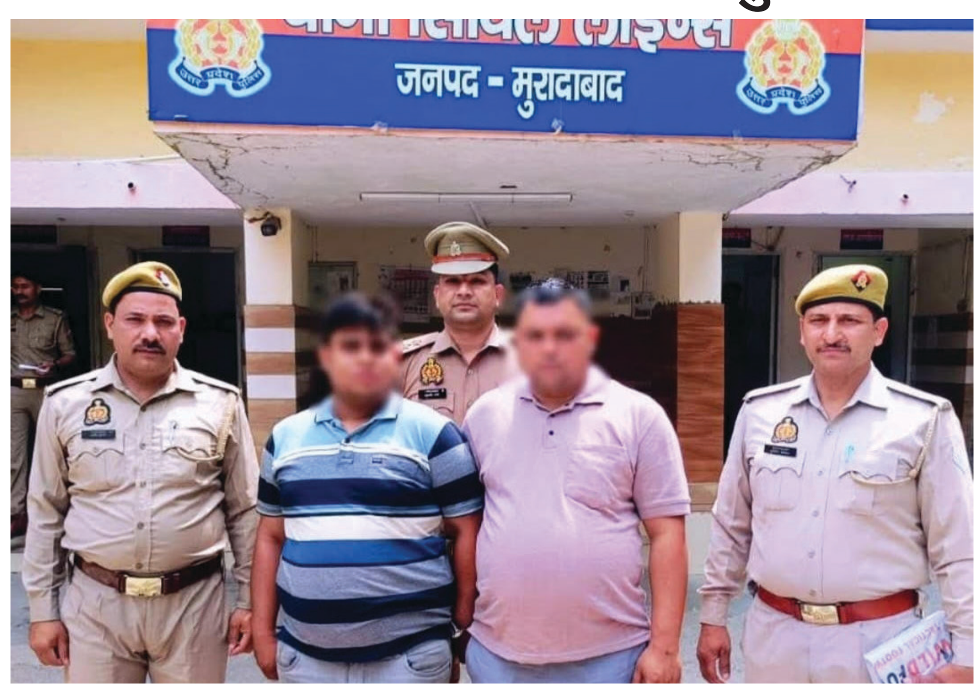

मुरादाबाद। थाना सिविल लाइन्स पुलिस द्वारा रामगंगा बिहार क्षेत्र से बुजुर्ग व्यक्ति को अपनी बातों के जाल में फंसा कर धोखाधड़ी व ठगी कर सोने की अंगूठी ले जाने की घटना का सफल अनावरण दो अभियुक्त को गिरफ्तार कर जिनके कब्जे से दो फर्जी आधार कार्ड व 3000 रुपये नगद,तीन मोबाइल फोन बरामद किए गए।

वादी गिरिराज स्वरूप भटनागर पुत्र शांति स्वरूप भटनागर निवासी रामगंगा विहार फेज सेकंड मुरादाबाद में अज्ञात व्यक्ति द्वारा वादी के साथ धोखाधड़ी करके वादी की सोने की पुखराज लगी अंगूठी लेकर चले जाने के संबंध में थाना सिविल लाइंस पर तहरीर दी। तहरीर के आधार पर थाना सिविल लाइन्स पर मुकदमा पंजीकृत किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुरादाबाद के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण, वांछित अपराधियों की गिरफ्तार हेतु चलाए जा रहे। अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्र अधिकारी सिविल लाइन्स के नेतृत्व एवं पर्यवेक्षण में विवेचनात्मक कार्रवाई के क्रम में थाना सिविल लाइन्स पुलिस द्वारा मंगलवार को प्रकाश आये अभियुक्तगण विवेक शर्मा पुत्र विनोद कुमार शर्मा निवासी ग्राम जौहरपुर थाना सीबीगंज जनपद बरेली हाल पता ग्राम सहसपुर थाना बिलारी जनपद मुरादाबाद और दिनेश राजपूत पुत्र वेद प्रकाश निवासी ग्राम पाठकपुर थाना बहजोई जनपद संभल को गिरफ्तार किया। जिनके कब्जे से दो अदद फर्जी आधार कार्ड, व 3000 रुपये नगद ,तीन अदद मोबाइल फोन व घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल हीरो एक्सट्रीम बिना नंबर की प्लेट की बरामद किए गए। पुलिस ने दोनों आरोपियों का मेडिकल परीक्षण कराकर कोर्ट में पेश किया जहां से उन्हें जेल भेज दिया।

पुलिस अधीक्षक नगर द्वारा फरियादियों की समस्याओं को सुनकर किया निस्तारण

सब का सपना संवाददाता

मुरादाबाद। पुलिस अधीक्षक नगर मुरादाबाद द्वारा जनसुनवाई में आये फरियादियों की समस्याएं,शिकायतों को सुना गया। मंगलवार को जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आदेशित किया गया। पुलिस अधीक्षक नगर द्वारा, नगर क्षेत्र के सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि जनसुनवाई,महिला हेल्पडेस्क को और अधिक प्रभावशाली बनाये ताकि पीड़ित,शिकायतकर्ता को अनावश्यक रुप से अपने थाने से पुलिस कार्यालय आने की आवश्यकता न हो साथ ही सभी थाना प्रभारियों को यह भी निर्देश दिये गये कि जिस समस्या का समाधान थाना स्तर से हो सकता है। उनका समाधान थाना स्तर पर ही समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण,निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर कराना सुनिश्चित करें।

ग्राम पंचायत असादपुर के चहुंमुखी विकास व सरकार की जन-कल्याणकारी योजना का मिल रहा लाभ

सब का सपना संवाददाता

कुंदरकी। ब्लॉक कुंदरकी की ग्राम पंचायत असादपुर में चौमुखी विकास एवं सरकार की जन-कल्याणकारी योजना का लाभ उठा रहे हैं ग्रामीण प्रधान द्वारा बताया गया कि असादपुर गांव का संपूर्ण रूप से विकास कराया जा रहा है। गांव में जो सड़के खराब थी। उनको नए तरीके से डलवाया गया है। और गरीबो को आवास योजना का लाभ दिलवाया गया वहीं जो महिला विधवा है। उनको विधवा पेंशन का लाभ दिलाया जा रहा हैं। और मनरेगा के तहत भी गांव में विकास कार्य कराया है। वही गांव में टूटी पड़ी नालियों की मरम्मत करने से लेकर नई नालियों का निर्माण कराया गया इसी तरह गांव में जो कार्य शेष रह गए हैं। उनको भी जल्द पूरा कराया जाएगा वहीं ग्राम प्रधान मुजिबुल हुसैन ने कहा गांव में जितने भी खराब रास्ते थे। उनको नए सिरे से डलवा दिया गया है। और जितने भी रास्ते गांव के रह गए हैं। उनको जल्द ही डलवाने की कोशिश की जा रही है। गांव का विकास करने में हम कोई कसर नहीं छोड़ने वाले गांव को कुंदरकी ब्लॉक का नंबर एक गांव बनाना मेरा लक्ष्य है।

प्राईवेट स्कूलों पर नही लगा अंकुश तो

कलेक्ट्रेट पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठेंगे

- प्राइवेट स्कूलों की मनमानी के चलते दिया ज्ञापन

सब का सपना संवाददाता

मुरादाबाद। मंगलवार को अपना दल कमेरावादी संगठन के मण्डल अध्यक्ष डॉ0 रामेश्वर दयाल तुरैहा के नेतृत्व में अपना दल कमेरावादी के पदाधिकारी कार्यकताओं ने पब्लिक स्कूलों की अवैध वसूली व मनमानी के विरोध में जिलाधिकारी कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा।

मण्डल अध्यक्ष ने कहा कि मुरादाबाद में 30% स्कूल फर्जी स्कूल चल रहे हैं। तथा प्रतिवर्ष पब्लिक स्कूलों में एडमिशन, रि-एडमिशन, फीस बढ़ोतरी के नाम पर अवैध वसूली होती है।तथा पाठयक्रम अपने कमीशन वाली दुकानों से खरीदवातें हैं। किसी भी प्रकार का कच्चा या पक्का बिल नहीं देते हैं। किताबों, वस्ते, ड्रेस आदि का मूल्य 100 गुना से भी अधिक लेते हैं। तमाम पार्टियों,संगठनों के विरोध के बावजूद भी इन प्राइवेट स्कूलों की कटाई,ठगाई व अवैध वसूली पर रोक नहीं लगी है।

इतना ही नहीं शासन प्रशासन इनकी कटाई,ठगाई अवैध वसूली पर रोक लगाने में पूरी तरह से विफल साबित हो रहा है। जिससे सरकार की भी अधिक बदनामी हो रही है। तथा मण्डल अध्यक्ष ने कहा इनकी मनमानी,अवैध वसूली पर रोक नहीं लगाई गई तो अपना दल कमेरावादी के पदाधिकारी अनिश्चित कालीन के लिये जिलाधिकारी कार्यालय पर भुख हड़ताल पर बैठेंगे।

धरना-प्रदर्शन में अंकित ठाकुर, ठाकुर मंजू राठौर, डॉ0 तौसीफ अहमद, आंचल कश्यप, बाबू खान, बी0 एल0 गुप्ता, राकेश श्रीवास्तव, राकेश कश्यप, धर्मेंद्र कश्यप, नेमवती चंद्रा, शाइस्ता सैफी, राहुल सागर, नरेश कश्यप आदि मौजूद रहे।

यूपी में अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्या के खिलाफ बड़ा एक्शन

नेपाल सीमा पर भी सख्ती तेज

» सब का सपना संवाददाता

लखनऊ। पहलगाम आतंकी हमले के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने अवैध विदेशी नागरिकों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। पाकिस्तानी नागरिकों को राज्य से बाहर निकालने के बाद अब योगी सरकार की नजर बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमानों पर है, जो अवैध रूप से प्रदेश में रह रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी जिलों के जिलाधिकारियों, पुलिस कप्तानों और पुलिस आयुक्तों को निर्देश जारी किए हैं कि ऐसे सभी अवैध विदेशी नागरिकों की पहचान कर उन्हें जल्द से जल्द वापस भेजा जाए। उत्तर प्रदेश, केंद्र सरकार के निर्देश के अनुपालन में, पाकिस्तानी नागरिकों को निष्कासित करने वाला पहला राज्य बन गया है। अब सरकार का फोकस बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमानों पर है। राज्य भर में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है ताकि अवैध रूप से रह रहे इन नागरिकों को चिन्हित कर कानूनी कार्रवाई की जा सके। इस अभियान के तहत भारत-नेपाल सीमा पर भी कार्रवाई तेज कर दी गई है। सीमा से सटे जिलों में अवैध मदरसों और धार्मिक संस्थानों पर बुलडोजर चलाए जा रहे हैं। सोमवार को बहराइच, श्रावस्ती, सिद्धार्थनगर, महराजगंज और लखीमपुर खीरी में अवैध निमार्णों को ध्वस्त किया गया।

* बहराइचः 6 अवैध निर्माण और 7 मदरसों पर कार्रवाई
* श्रावस्तीः 12 अवैध मदरसे बंद, 8 अवैध कब्जे हटाए गए
* सिद्धार्थनगरः 12 अवैध निर्माण चिन्हित किए गए
* महराजगंजः अवैध मदरसा ध्वस्त, नो-मैन्स लैंड पर बने मजार को हटाया
* लखीमपुर खीरीः मस्जिद के अस्थायी निर्माण को हटाया गया

प्रदेश सरकार का स्पष्ट संदेश है कि किसी भी प्रकार के अवैध निर्माण या अवैध नागरिकों को अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने साफ किया है कि प्रदेश की सुरक्षा और कानून व्यवस्था के साथ कोई समझौता नहीं होगा।

गोण्डा में बिना एचएसआरपी वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई तेज, 12 वाहन जब्त

- पीटीओ शैलेंद्र तिवारी और उनकी टीम ने चलाया सघन चेकिंग अभियान, अब तक 34 वाहनों पर कार्रवाई
- फिटनेस, पंजीकरण और प्लेटझ्रपरिवहन विभाग का व्यापक प्रवर्तन अभियान जारी

» सब का सपना संवाददाता

गोण्डा । जिलाधिकारी नेहा शर्मा के निर्देशन में जनपद में बिना एचएसआरपी (हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट) व अपंजीकृत वाहनों के विरुद्ध सघन प्रवर्तन अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में यात्री कर अधिकारी श्री शैलेंद्र तिवारी एवं उनकी टीम ने आज जनपद के विभिन्न स्थलों पर चेकिंग अभियान चलाया और 12 ऐसे वाहनों के विरुद्ध चालान व निरुद्ध करने की कार्रवाई की, जो बिना मानक पंजीयन प्लेट या पंजीकरण के पाए गए।

इससे पहले वर्ष 2024-25 में अब तक 489 वाहनों के विरुद्ध बिना एचएसआरपी अथवा अधोमानक पंजीयन प्लेट के कारण चालान/निरुद्ध करने की कार्यवाही की जा चुकी है। साथ ही 61 ऐसे वाहन, जो बिना पंजीयन अथवा बिना पंजीयन प्लेट के संचालित हो रहे थे, उनके विरुद्ध भी विधिक कार्रवाई की गई है।मुख्यमंत्री द्वारा ई-रिक्शा को लेकर दिए गए विशेष निदेर्शों के क्रम में 1 अप्रैल से 30 अप्रैल 2025 तक चल रहे विशेष अभियान के तहत अब तक कुल 34 अपंजीकृत ई-रिक्शाओं के विरुद्ध प्रवर्तन कार्रवाई की गई है, जिनमें आज की कार्रवाई के 12 वाहन भी सम्मिलित हैं।परिवहन विभाग, गोण्डा द्वारा यह भी सुनिश्चित किया गया है कि फिटनेस प्रमाणन जैसे विभागीय कार्य केवल उन्हीं वाहनों का किया जा रहा है जिनमें एचएसआरपी प्लेट लगी हो, और पिछले वित्तीय वर्ष में 3895 वाहनों का फिटनेस इसी शर्त पर किया गया।परिवहन विभाग द्वारा जनपद में मानक युक्त और पंजीकृत वाहनों की व्यवस्था को सुनिश्चित करने हेतु यह प्रवर्तन अभियान सतत रूप से जारी रहेगा। नागरिकों से अपेक्षा की गई है कि वे समय से एचएसआरपी लगवाएं और नियमों का अनुपालन कर प्रशासन को सहयोग प्रदान करें।

संक्षिप्त समाचार

पत्रकार अंबरीश कुमार गुप्ता का निधन, क्षेत्र में शोक की लहर

» सब का सपना संवाददाता

गोंडा।करनैलगंज क्षेत्र के बरगदी निवासी पत्रकार अंबरीश कुमार गुप्ता का इलाज के दौरान दुखद निधन हो गया।उनके असामयिक निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।स्थानीय नागरिकों से लेकर पत्रकारिता जगत तक हर कोई इस अपूरणीय क्षति से मर्माहत है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, अंबरीश कुमार गुप्ता कई वर्षों से विभिन्न दैनिक समाचार पत्रों के लिए सक्रिय पत्रकारिता करते आ रहे थे।कुछ दिनों पूर्व अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई थी, जिसके बाद परिजनों ने उन्हें इलाज हेतु स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया। प्रारंभिक इलाज के बाद भी जब राहत नहीं मिली, तो उन्हें एक निजी अस्पताल में बेहतर उपचार के लिए शिफ्ट किया गया।वहां स्वास्थ्य में कुछ सुधार होने पर उन्हें घर लाया गया था, लेकिन बीती रात अचानक उनकी तबीयत फिर से गंभीर हो गई।परिजन उन्हें अस्पताल ले जा ही रहे थे कि रास्ते में ही उनकी सांसें थम गईं।उनकी मृत्यु की खबर जैसे ही क्षेत्र में फैली, शोक की लहर दौड़ गई।

वित्तीय लापरवाही पर अधिशासी अभियन्ता की परिनिन्दा, जिलाधिकारी ने जताई कड़ी आपत्ति

- सांसद निधि योजना में लापरवाही, दो बार भेजे गए भ्रामक उपभोग प्रमाणपत्र

» सब का सपना संवाददाता

गोण्डा ।जिलाधिकारी नेहा शर्मा द्वारा ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के अधिशासी अभियन्ता जे0बी0 सिंह के विरुद्ध वित्तीय प्रकरण में की गई गंभीर असावधानी एवं लापरवाही के दृष्टिगत मध्यावधि विशेष प्रतिकूल प्रविष्टि के अंतर्गत परिनिन्दा की गई है ।प्राप्त जानकारी के अनुसार, सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास निधि योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में सांसद कैसरगंज द्वारा अनुमोदित तीन परियोजनाओं के सापेक्ष अवमुक्त प्रथम किश्त रुपए 28.227 लाख के उपभोग प्रमाणपत्र एवं द्वितीय किश्त की मांग से सम्बंधित पत्राचार में अधिशासी अभियन्ता द्वारा जिला ग्राम्य विकास अभिकरण को प्रेषित उपयोगिता प्रमाणपत्रों में धनराशि का अंकन त्रुटिपूर्ण पाया गया ।मुख्य विकास अधिकारी गोण्डा के माध्यम से प्रस्तुत अभिलेखों के परीक्षण उपरांत यह तथ्य प्रकाश में आया कि अधिशासी अभियन्ता द्वारा दिनांक 4 फरवरी एवं 4 अप्रैल 2025 को प्रेषित दो अलग-अलग पत्रों में परियोजना ₹कलहंसनपुरवा मसौलिया परसपुर में शंकर के खेत से रिंकू के खेत तक 250 मीटर लम्बाई में इंटरलॉकिंग कार्य₹ की धनराशि क्रमशः रुपए 8.154 लाख एवं 13.69 लाख दर्शायी गई, जबकि वास्तविकता में उक्त परियोजना हेतु मात्र रुपए 7.786 लाख की धनराशि ही प्रथम किश्त के रूप में निर्गत की गई थी।

एक ही प्रकरण में दो बार इस प्रकार की त्रुटिपूर्ण एवं भ्रामक सूचनाएं प्रदान किया जाना प्रशासनिक प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न करने वाला तथा अत्यन्त गंभीर वित्तीय लापरवाही का द्योतक माना गया है।

परिणामस्वरूप द्वितीय किश्त की धनराशि निर्गत करने में अनावश्यक विलम्ब हुआ, जिससे विकास कार्यों की प्रगति प्रभावित हुई ।जिलाधिकारी ने इस गंभीर प्रकरण पर संज्ञान लेते हुए अधिशासी अभियन्ता की कार्यप्रणाली को नितान्त खेदजनक एवं अस्वीकार्य बताते हुए मध्यावधि विशेष प्रतिकूल प्रविष्टि के अंतर्गत ₹परिनिन्दा₹ की कार्रवाई की है।

इस संदर्भ में प्रतिलिपि मुख्य विकास अधिकारी गोण्डा एवं अधीक्षण अभियन्ता, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग गोण्डा वृत्त को आवश्यक कार्यवाही हेतु भेज दिया गया है।

अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर स्थापित हुआ 42 फुट ऊंचा ध्वज दंड

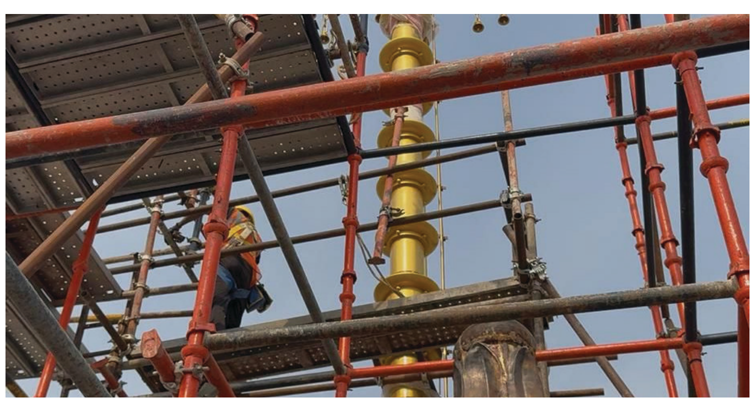

» सब का सपना संवाददाता

अयोध्या/ लखनऊ। आज वैशाख शुक्ल द्वितीया, मंगलवार को अयोध्या स्थित भव्य श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य शिखर पर पारंपरिक विधि-विधान के साथ 42 फुट लंबा ध्वज दंड स्थापित किया गया। यह पवित्र कार्य सुबह ठीक आठ बजे सम्पन्न हुआ।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महामंत्री चम्पत राय के अनुसार, ध्वज दंड की स्थापना की प्रक्रिया आज प्रातः साढ़े छह बजे प्रारंभ हुई और निर्धारित समय पर सम्पन्न हुई। अब मंदिर की कुल ऊंचाई, शिखर कलश समेत 161 फुट से बढ़कर 203 फुट हो गई है। यह ध्वज दंड न केवल मंदिर की भव्यता में वृद्धि करता है, बल्कि रामभक्तों के लिए एक भावनात्मक और आध्यात्मिक प्रतीक भी बन गया है।

डीएम ने की बेसिक शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक

बैठक में अधिक से अधिक विद्यालयों को निपुण करने के दिए निर्देश

» सब का सपना संवाददाता

गोण्डा।कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों और खंड शिक्षा अधिकारियों के साथ जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक की। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सर्वप्रथम विद्यालयों को निपुण करने की प्रगति की समीक्षा की समीक्षा में उन्होंने सभी अधिकारियों को खड़े निर्देश दिए हैं कि अधिक से अधिक विद्यालयों को निपुण करें। उन्होंने विभाग के सभी 19 पैरामीटर पर समय से कार्यों का सम्पादन कराया जाय।डीएम ने अतिरिक्त कक्ष निर्माण, मिड डे मील, विद्यालयों में विद्युतीकरण, बीआरसी की मरम्मत और ऑपरेशन कायाकल्प के 19 पैरामीटर की समीक्षा की। उन्होंने जिला और ब्लॉक टास्क फोर्स के अधिकारियों को निर्धारित निरीक्षण लक्ष्य पूरा करने की भी बात कही।जिलाधिकारी ने कहा कि निपुण भारत मिशन में प्रदर्शन के अनुसार अधिकारियों की सूची बनाई जाए, ताकि जिम्मेदारी तय की जा सके। इसके अलावा, कार्यदायी संस्था को निर्देश दिया गया कि विद्यालयों का निर्माण जल्द से जल्द पूरा किया जाए और गुणवत्ता से समझौता न किया जाए।बैठक में जिलाधिकारी ने निर्माण कार्यदायी संस्था को निर्देश दिए हैं कि जितने भी विद्यालय का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है, उन सभी विद्यालयों की फोटोग्राफ के साथ सूची बनाकर एक सप्ताह के अंदर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।बैठक में जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग केअधिकारियों को कड़े निर्देश दिए हैं कि जितने भी विद्यालय का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है, उन सभी विद्यालयों में समय से विद्युत से संबंधित सभी कार्य पूर्ण करके विभाग को सूचित करें।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अंकिता जैन, जिला विकास अधिकारी सुशील कुमार श्रीवास्तव, परियोजना निदेशक डीआरडीए चंद्रशेखर, प्राचार्य डायट, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अतुल कुमार तिवारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, डीएसओ, खण्डशिक्षा अधिकारीगण सहित शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

महाकुंभ बना वैश्विक आध्यात्मिक पर्यटन का केंद्र

- 45 देशों के श्रद्धालुओं ने सराहा भारत की संस्कृति, अयोध्या, प्रयागराज और वाराणसी बने विश्वस्तरीय धार्मिक गंतव्य
- 5877 प्रति श्रद्धालु खर्च कर महाकुंभ ने उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को दी नई उड़ान

» सब का सपना संवाददाता

लखनऊ। भारतीय संस्कृति की गूंज अब सिर्फ देश की सीमाओं में ही नहीं, बल्कि विश्व पटल पर भी सुनाई दे रही है। इसका साक्षात प्रमाण महाकुंभ 2025 बना, जिसमें भारत सहित 45 देशों के 3.5 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस ऐतिहासिक अवसर पर केंद्र सरकार द्वारा कराए गए महाकुंभ स्पीरिचुअल सर्वे में प्रयागराज, अयोध्या और वाराणसी जैसे तीर्थस्थल न केवल श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र बने, बल्कि भारत के टॉप टूरिज्म डेस्टिनेशन के रूप में उभर कर सामने आए।

सर्वे के अनुसार, प्रत्येक श्रद्धालु ने औसतन ₹5877.63 खर्च किए, जिससे उत्तर प्रदेश की जीडीपी में करोड़ों रुपये का सीधा योगदान हुआ। विदेशी पर्यटक जहाँ आध्यात्मिक खोज के उद्देश्य से अकेले आए, वहीं भारतीय श्रद्धालु परिवारों और मित्रों के साथ आस्था की इस विराट धारा में शामिल हुए। यूएसए, यूके, कनाडा, नेपाल, ऑस्ट्रेलिया और फिजी जैसे देशों से आए श्रद्धालुओं ने न केवल भारत की प्राचीन आध्यात्मिक विरासत को सराहा, बल्कि अयोध्या, संगम और काशी को अपनी भविष्य की यात्रा सूची में भी शीर्ष पर रखा। 32.57% पर्यटकों ने अगली यात्रा में प्रयागराज को प्राथमिकता देने की बात कही, जबकि अयोध्या को 22.55% ने अपनी सबसे पसंदीदा जगह बताया।

पर्यटन से अर्थव्यवस्था को मिली मजबूती

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि मेसर्स डिलायट द्वारा किया गया यह सर्वे उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने की दिशा में बड़ा कदम है। सर्वे में यह स्पष्ट हुआ कि यात्रा, ठहराव, खानपान, धार्मिक खरीदारी और शॉपिंग में हुआ खर्च प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक नई दिशा दे रहा है।

र्यटन विभाग ने किया विशेष अनुभव का सृजन

महाकुंभ में तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को दी गई सुविधाएं – स्वच्छता, सुरक्षित आवागमन, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन और डिजिटल जानकारी – ने भारत के पर्यटन क्षेत्र की साख को और भी मजबूत किया।

यह आयोजन न केवल एक धार्मिक समागम रहा, बल्कि यह एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को भी वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करने वाला अवसर बना।

पर्यटन को मिलेगा नया आयाम

सहारनपुर, मुजफ्फरनगर और गाजियाबाद में 4318 .07 लाख की परियोजनाएं स्वीकृत

» सब का सपना संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सहारनपुर, मुजफ्फरनगर और गाजियाबाद जनपदों में कुल 4318.07 लाख रुपये की लागत से विभिन्न तीर्थस्थलों और धार्मिक स्थलों के विकास हेतु परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की है। इन परियोजनाओं को उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड एवं सीएनडीएस के माध्यम से निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जाएगा।

प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि सहारनपुर जनपद के लिए 1120.11 लाख रुपये की तीन परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। इनमेंः पतेश्वर महादेव मंदिर के पर्यटन विकास हेतु 119.00 लाख रुपये

गंगोह रोड स्थित शिव मंदिर एवं भैरव काली मंदिर के लिए 100.00 लाख रुपये

शाकुम्भरी देवी शक्तिपीठ में पर्यटक सुविधाओं के विकास हेतु 901.31 लाख रुपये शामिल हैं।

मुजफ्फरनगर जनपद के लिए 2482.71 लाख रुपये की परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं, जिनमेंः

शुक्रतीर्थ में लाइट एंड साउंड शो के लिए 1525.1 लाख रुपये

शुक्रतीर्थ परिक्रमा मार्ग के सुदृढ़ीकरण हेतु 477.6 लाख रुपये

श्रीमद्भागवत कथा केन्द्र के निर्माण हेतु 480.01 लाख रुपये शामिल हैं।

वहीं, गाजियाबाद जनपद में 715.25 लाख रुपये की परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं, जिनमेंः मुरादनगर स्थित भगवान परशुराम मंदिर,

मोदीनगर स्थित सीकरी महामाया मंदिर,

दूधेश्वरनाथ मंदिर का पर्यटन विकास शामिल है।

मंत्री जयवीर सिंह ने कार्यदायी संस्थाओं को निर्देश दिया है कि सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में गुणवत्ता सहित पूर्ण किए जाएं, ताकि देशी-विदेशी पर्यटकों को आकर्षित किया जा सके और धार्मिक पर्यटन को नई दिशा मिल सके।

बिजली उपभोक्ता अब व्हाट्सएप्प, ऐप और ईमेल से भी दर्ज करा सकेंगे अपनी समस्याएं

» सब का सपना संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) ने बिजली उपभोक्ताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शिकायत दर्ज कराने के नए विकल्प उपलब्ध कराए हैं। अब उपभोक्ताओं को केवल 1912 पर कॉल करने की आवश्यकता नहीं होगी, वे कई डिजिटल माध्यमों से भी अपनी समस्याएं दर्ज करा सकेंगे।

यूपीपीसीएल ने उपभोक्ताओं के लिए हँ३२अस्त्रस्त्र नंबर, आधिकारिक मोबाइल ऐप, और वेबसाइट के जरिए भी शिकायत दर्ज करने की सुविधा शुरू कर दी है।इसके साथ ही उपभोक्ता ट्विटर और ईमेल के माध्यम से भी अपनी बिजली से जुड़ी शिकायतें भेज सकते हैं।

कॉर्पोरेशन के अनुसार, इस कदम का उद्देश्य उपभोक्ताओं को तेजी से, पारदर्शी और सुलभ सेवा प्रदान करना है। यूपीपीसीएल ने सभी उपभोक्ताओं से अपील की है कि किसी भी प्रकार की बिजली समस्या होने पर इन नए डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का भरपूर लाभ उठाएं और अपनी शिकायतें तुरंत दर्ज कराएं।

एग्रीजंक्शन की स्थापना कर प्रदेश के कृषि स्नातक हो रहे हैं आत्मनिर्भर

- यह अनुदान बैंक की बैंक इन्डेड सब्सिडी के रूप में रखा जाता है तथा वर्ष की समाप्ति पर ऋणी के खाते में क्रेडिट कर दिया जाता है

» सब का सपना संवाददाता

गोंडा ।किसानों के हितलाभ के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कृषि में प्रशिक्षित युवाओं की सेवाओं का उपयोग करने हेतु प्रदेश में यू०पी० एग्रीजंक्शन योजना संचालित की जा रही है। इस प्रशिक्षित कृषि उद्यमी स्वालम्बन योजना का उद्देश्य किसानों को उनके फसल उत्पादों के लिए कृषि केन्द्र (एग्रीजंक्शन) के बैनर तले समस्त सुविधायें वन स्टाफ शॉप के माध्यम से कृषि स्नातकों द्वारा उपलब्ध कराया जाता है। उत्तर प्रदेश कृषि केन्द्र योजना के अन्तर्गत कृषि स्नातक युवको को लाइसेंस निर्गत करते हुए कृषि केन्द्र की स्थापना कराई जा रही है। इन केन्द्रो से एक छत के नीचे किसानों को कई सुविधाये प्रदान की जा रही हैं जिनमें मृदा परीक्षण सुविधा तथा उपयोग हेतु संस्तुतियां उच्च गुणवत्ता के बीज, उर्वरक, जैव उर्वरक, माइक्रोन्यूट्रियन्ट्स, वर्मी कम्पोस्ट तथा जैव कीटनाशको सहित समस्त कृषि निवेशों की आपूर्ति लघु कृषियंत्रों को किराये पर उपलब्ध कराये जाने की व्यवस्था, प्रसार सेवाये तथा प्रक्षेत्र निर्देशन भी किया जाता है। उक्त के अतिरिक्त कृषि केन्द्रों द्वारा कृषि उपकरणों की मरम्मत तथा अनुरक्षण पशु आहार, कृषि प्रसंस्कृति कृषि उत्पादों का विक्रय, मौसम/विपणन व अन्य सम्बन्धित सूचनाओं के लिए सूचना विज्ञापन का स्थापना कराया गया है।राज्य सरकार द्वारा कृषि प्रशिक्षित उद्यमियों को कई सुविधायें प्रदान की जाती है। कृषि व्यवसाय गतिविधियों के लिए लाइसेन्स प्राप्त करने में सहायता तथा लाइसेन्स फीस के व्यय की प्रतिपूर्ति भी कराया जाता है। इस उदेश्य के लिए बैंकों से ऋण प्राप्त करने में सहायता तथा 04 प्रतिशत की दर से व्याज अनुदान की व्यवस्था भी की जाती है। यह अनुदान बैंक की बैंक इन्डेड सब्सिडी के रूप में रखा जाता है तथा वर्ष की समाप्ति पर ऋणी के खाते में क्रेडिट कर दिया जाता है एक वर्ष तक के लिए परिसर के किराये के 50 प्रतिशत की धनराशि जो रूपया 1000/-से अधिक न हो स्वतन्त्र कृषि केन्द्र व्यवसाय की स्थापना हेतु कृषि व्यवसाइयों को प्रशिक्षण प्रदान कराना, लघु कृषि यंत्रों को अनुदानित दर पर किराये पर उपलब्ध कराने के लिए भी एग्रीजंक्शन कार्य करते है।प्रदेश के सभी विकास खण्डों एवं तहसील मुख्यालयों पर स्थापित ष्वन स्टाफ शाप्सष पर किसान गुणवतापूर्ण कृषि निवेश एवं कृषि प्रक्षेत्र निर्देशन प्राप्त कर रहे हैं। इसी के साथ युवा कृषि स्नातक स्वयं स्वरोजगार के लिए सक्षम हो रहें है। प्रदेश में हजारो एग्रीजंक्शन की स्थापना करते हुए किसानों को श्वन स्टाप शॉपश से कृषि सम्बन्धी समस्त सुविधाये दी जा रही है साथ ही प्रदेश के बेरोजगार कृषि स्नातको को रोजगार भी मिल रहा है और वे आत्मनिर्भर हो रहे है। प्रदेश में 05 हजार से अधिक एग्रीजंक्शन की स्थापना कराई जा चुकी है।प्रदेश के कृषक उत्पादक संगठनों के गठन, प्रोत्साहन एवं सुदृढीकरण हेतु प्रदेश सरकार ने उ0प्र0 कृषक उत्पादन संगठन (एफ0पी0ओ0) नीति 2020 बनाई है। इस नीति के अन्तर्गत प्रदेश के कृषकों विशेषकर लघु एवं सीमान्त कृषकों को संगठित करके कम लागत में गुणवत्तायुक्त कृषि निवेशों की व्यवस्था व उपयुक्त नवीनतम तकनीकी को अपनाकर उच्च उत्पादन, उत्पादों के मूल्य संवर्धन एवं बेहतर मूल्य प्राप्त करने हेतु समुचित विपणन व्यवस्था कर कृषकों की आय में सत्त वृद्धि करना है।प्रदेश में अबतक लगभग 3500 एफ0पी0ओ0 का गठन किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

गाजियाबाद में 20 साल बाद 65 फीसदी फ्लैट भी नहीं बने, बिल्डरों पर अब होगी कार्रवाई

गाजियाबाद एजेंसी। गाजियाबाद में इंटीग्रेटेड टाउनशिप का लाइसेंस लेने वाले बिल्डरों ने करीब 20 साल बाद भी 65 फीसदी फ्लैट नहीं बनाए। जीडीए की ओर से अब ईडब्ल्यूएस और एलआईजी फ्लैट नहीं बनाने वाले बिल्डरों पर सख्ती की जाएगी। इन्हें प्रोजेक्ट कंप्लीशन सर्टिफिकेट तब तक नहीं दिया जाएगा, जब तक ईडब्ल्यूएस और एलआईजी फ्लैट भी तैयार नहीं होंगे। शासन स्तर से वर्ष 2005 में बिल्डरों को इंटीग्रेटेड टाउनशिप का लाइसेंस मिला था। इसमें गाजियाबाद में सात बिल्डर शामिल थे। लाइसेंस खत्म होने की समयावधि 2022 थी। लाइसेंस के तहत बिल्डरों को कई तरह की सुविधाएं मिलीं, लेकिन इसके बदले इन्हें प्रोजेक्ट में फ्लैट के दस फीसदी ईडब्ल्यूएस और एलआईजी बनाने थे। लाइसेंस मिलने के बाद बिल्डरों ने प्रोजेक्ट शुरू कराए और शासन से मिलने वाले लाभों को लेते हुए प्रोजेक्ट तैयार कर लिए, लेकिन इनमें एक बिल्डर को छोड़कर बाकी ने अब तक प्रोजेक्ट में ईडब्ल्यूएस और एलआईजी पूरी तरह नहीं बनाए। जबकि टाउनशिप को पूरा करने की अवधि करीब दो साल पहले खत्म हो चुकी है। ऐसे में जीडीए की तरफ से रिपोर्ट तैयार कर शासन को भेजी जा चुकी है। साथ ही इन बिल्डरों के साथ बैठक कर उन्हें प्रोजेक्ट में इन मकानों को पूरा बनाने के निर्देश भी दिए। अब जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने अधिकारियों से प्रोजेक्ट का निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही ईडब्ल्यूएस और एलआईजी नहीं बनाने वाले बिल्डरों पर सख्ती करने को कहा है। इन्हें प्रोजेक्ट कंप्लीशन सर्टिफिकेट तब तक नहीं दिया जाएगा, जब तक ये फ्लैट भी तैयार नहीं होंगे।

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली , एजेंसी। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार पांचवे दिन गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 97,530 रुपये से लेकर 97,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 89,400 रुपये से लेकर 89,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी आज कमजोरी दर्ज की गई है, जिसके कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,00,800 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 97,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 89,550 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 97,530 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 97,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,450 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 97,530 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 89,400 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 97,530 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 97,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 89,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 89,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 97,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

गाजियाबाद में चला नगर निगम का पंजा, एक बार में खाली हुई 200 करोड़ की जमीन

गाजियाबाद एजेंसी। नगर निगम के संपत्ति विभाग ने सोमवार को क्रॉसिंग रिपब्लिक से सटे डूंडाहेड़ा में 40 हजार वर्ग मीटर जमीन कब्जामुक्त कराई। जमीन की कीमत 200 करोड़ रुपये है। इस पर कई लोग खेती कर रहे थे। निगम टीम ने विरोध के बीच फसल पर जेसीबी और ट्रैक्टर चलाकर जमीन खाली कराई। शहरी क्षेत्र में निगम की काफी जमीन है।

इस पर कई जगह लोगों ने कब्जा कर रखा है। क्रॉसिंग रिपब्लिक से सटे डूंडाहेड़ा में 40 हजार वर्ग मीटर जमीन पर कई लोगों का कब्जा था। लोग मालिकाना हक जताकर खेती कर रहे थे। निगम के संपत्ति विभाग ने पूर्व में जमीन खाली कराई थी, लेकिन लोगों ने फिर से कब्जा कर फसल की बुआई कर डाली।

इस समय सरसों,गेहूं और अन्य फसल की खेती की जा रही थी। सोमवार को संपत्ति प्रभारी पल्लवी सिंह और संपत्ति अधीक्षक रमाशंकर जमीन पर कब्जा लेने पहुंचे। लोग निगम टीम का विरोध करने लगे। वह मालिकाना हक के सभी दस्तावेज नहीं दिखा सके। निगम टीम ने जैसे ही जेसीबी और

ट्रैक्टर को फसल पर चलाने का प्रयास किया तो लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने लोगों को समझा बुझाकर शांत किया। इसके बाद निगम टीम ने फसल पर जेसीबी और ट्रैक्टर चलाया। इसके बाद जमीन खाली कराई गई। कब्जामुक्त जमीन की कीमत 200 करोड़ रुपये बताई जा रही है। कोर्ट में हारने के बाद भी कब्जा नहीं छोड़ रहे थे अपर नगर आयुक्त अरुण यादव ने बताया कि खसरा नंबर 122,123,129,304, 305, 306/7, 307 308 को कब्जा मुक्त कराया है। कब्जा करने वालों ने भूमि पर अपने पट्टे बताए थे। पट्टे को एसडीएम कोर्ट ने निरस्त कर दिया था। उन्होंने बताया कि हाईकोर्ट में भी कब्जा करने वालों की हार हो चुकी है। उन्होंने बताया निगम की खाली जमीन शहर हित में इस्तेमाल की जाएगी। इसका निर्णय सदन द्वारा लिया जाएगा। महापौर सुनीता दयाल ने बताया खाली जमीन पर कई बड़ी परियोजना लाने की योजना है। इससे दो लाभ होंगे। एक तो जमीन पर कब्जा नहीं होगा। दूसरा परियोजना लाने से शहर के लोगों को लाभ मिलेगा।साथ ही निगम की आय में बढ़ोतरी होगी। उन्होंने बताया निगम अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश हैं कि जमीन पर फिर से कब्जा करने पर मुकदमा दर्ज कराया जाए। कई और स्थानों पर जमीन खाली कराकर कब्जामुक्त कराई जाएगी। जमीन पर कब्जा होने की शिकायत महापौर सुनीता दयाल से की गई थी। उन्होंने मौके पर जाकर निरीक्षण किया था। महापौर ने निगम अधिकारियों से जमीन खाली कराने के निर्देश दिए।

पहलगाम हमले के बाद 'पाकिस्तान जिंदाबाद' करने वाला नोएडा से पकड़ा गया

नोएडा , एजेंसी। झारखंड के बाद अब उत्तर प्रदेश के नोएडा से भी एक पाकिस्तान समर्थक पकड़ा गया है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद जहां देशभर में लोग पाकिस्तान की हाय-हाय कर रहे हैं तो वह पड़ोसी मुल्क के लिए जिंदाबाद का नारा लिख रहा था। थाना सूरजपुर क्षेत्र क्षेत्र स्थित एक सोसाइटी की मार्केट में सैलून की दुकान पर काम करने वाले युवक को सोशल मीडिया पर पाकिस्तान के समर्थन में पोस्ट डालना भारी पड़ गया। वीडियो वायरल होने पर पुलिस ने संज्ञान लेकर रविवार शाम आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, रविवार को सोशल मीडिया साइट के जरिये एक वीडियो प्राप्त हुआ। वीडियो में एक युवक ने फेसबुक पर पाकिस्तान जिंदाबाद लिखा हुआ था। फेसबुक का स्क्रीन शॉट लेकर एक व्यक्ति ने वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। वायरल वीडियो पर लोगों ने नोएडा पुलिस को टैग करते हुए युवक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। पुलिस को जांच में पता चला कि आरोपी मोनिश अली निवासी गांव रसूलपुर जिला रामपुर है।

युवक की गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली , एजेंसी। उत्तर पूर्वी जिले के सीलमपुर इलाके में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मामले की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। घटना जोगी बस्ती में रविवार देर रात की है। मरने वाले युवक की पहचान 20 वर्षीय समीर के रूप में हुई है। फिलहाल सीलमपुर थाना पुलिस हत्या का मुकदमा दर्ज कर आरोपितों की पहचान करने में जुटी हुई है।पुलिस सूत्रों के अनुसार समीर बीती रात अपने घर से नानी के घर जाने के लिए निकला था। नानी के घर से चंद कदम की दूरी पर ही अज्ञात बदमाशों ने समीर को गोली मार दी। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस उसे जग प्रवेश चंद्र अस्पताल लेकर पहुंची।

पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा पर फिर किया संघर्ष विराम का उल्लंघन

श्रीनगर, एजेंसी। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान की सेना नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर बिना किसी उकसावे के गोलीबारी करने से बाज नहीं आ रही है। पड़ोसी मुल्क की फौज शत्रुता का रुख अख्तियार कर लगातार संघर्ष विराम का उल्लंखन कर रही है। भारतीय अधिकारियों के अनुसार, भारतीय सेना ने 27-28 अप्रैल की रात जम्मू और कश्मीर के कुपवाड़ा और पुंछ जिलों के आसपास के इलाकों में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार पाकिस्तानी सेना की बिना उकसावे के छोटे हथियारों से की गई गोलीबारी का प्रभावी जवाब दिया।

भारतीय सेना के अधिकारियों के अनुसार, सैनिकों ने पाकिस्तानी सेना को छोटे हथियारों से की गई गोलीबारी का बिना समय गंवाए मुंहतोड़ जवाब दिया। विस्तृत विवरण की प्रतीक्षा है। उल्लेखनीय है इससे पहले भारतीय सेना ने 26-27 अप्रैल की रात नियंत्रण रेखा पर तुतमारी गली और रामपुर सेक्टर के विपरीत क्षेत्रों में पाकिस्तानी सेना की गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद कश्मीर घाटी में सुरक्षा बलों के आतंकवाद विरोधी अभियान तेज करने के बाद पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा पर गोलीबारी कर तनाव को बढ़ा दिया है। भारतीय सेना के एक अधिकारी ने कहा कि 26-27 अप्रैल की रात पाकिस्तान की सैन्य चौकियों ने तुतमारी गली और रामपुर सेक्टर के विपरीत क्षेत्रों में नियंत्रण रेखा के पार बिना उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी की भारतीय सैनिकों ने भी गोलीबारी करके प्रभावी ढंग से जवाब दिया। इस बीच कुलगाम पुलिस ने सेना और सीआरपीएफ के साथ समन्वित अभियान में दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में आतंकवादियों के दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। इनके नाम बिलाल अहमद भट पुत्र अब्दुल सलाम भट और मोहम्मद इस्माइल भट पुत्र गुलाम मोहम्मद भट हैं। दोनों थोकरपोरा (कैमोह) के रहने वाले हैं। इनके पास से सुरक्षा बलों ने दो पिस्तौल, दो मैगजीन और पिस्तौल की 25 गोलियां बरामद की हैं।

हिमाचल प्रदेश के चंबा में भूकंप के झटके, कोई नुकसान नहीं

शिमला , एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में आज तड़के भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप सुबह 5 बजकर 41 मिनट पर आया। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 2.7 मापी गई। भूकंप का केंद्र चंहा में 32.79 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 76.20 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित रहा। इसकी गहराई जमीन की सतह से पांच किलोमीटर नीचे रिकॉर्ड की गई।

भूकंप से किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि भूकंप की तीव्रता काफी कम थी। इस कारण चंबा जिले व आसपास के क्षेत्रों में किसी भी तरह के नुकसान की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। भूकंप के झटके महसूस होते ही लोग सतर्क हो गए और स्थिति सामान्य रही।

गौरतलब है कि हिमाचल प्रदेश भूकंप की दृष्टि से देश के सबसे संवेदनशील क्षेत्रों में शामिल है। राज्य का अधिकांश भाग भूकंपीय जोन-4 और जोन-5 में आता है। इसी संवेदनशीलता के चलते चंबा, कांगड़ा, मंडी,

लाहौल-स्पीति, किन्नौर और शिमला जैसे जिलों में समय-समय पर हल्के भूकंप के झटके महसूस होते रहे हैं। बीते कुछ वर्षों में राज्य में बार-बार भूकंप के झटकों ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है।

इतिहास गवाह है कि हिमाचल प्रदेश में भूकंप से भारी तबाही हो चुकी है। वर्ष 1905 में कांगड़ा और चंबा जिलों में आए भीषण भूकंप में 10 हजार से अधिक लोगों की जान गई थी और व्यापक स्तर पर तबाही हुई थी। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण लगातार लोगों को जागरूक करने के प्रयास कर रहा है। भूकंप के समय खुद को सुरक्षित रखने के लिए जरूरी उपायों की जानकारी दी जा रही है। स्कूलों, दफ्तरों और सार्वजनिक स्थलों पर भूकंप से बचाव के लिए मॉक ड्रिल भी कराई जाती हैं। चंबा सहित हिमाचल के अन्य जिलों में बीते कुछ समय में कई बार 2 से 4 रिक्टर स्केल की तीव्रता वाले भूकंप आ चुके हैं। हालांकि अब तक कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है। लेकिन लगातार झटकों ने लोगों के मन में डर जरूर बैठा दिया है।

कनाडा में संसदीय चुनाव, मुख्य मुकाबला कंजर्वेटिव और लिबरल के बीच

ओटावा , एजेंसी। कनाडा में आज हो रहे संसदीय चुनाव में मुख्य मुकाबला प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के नेतृत्व वाली लिबरल पार्टी और पियरे पोइलिव्रे की कंजर्वेटिंव पार्टी के बीच है। देश के मतदाता तय करेंगे सरकार का नेतृत्व मार्क करेंगे ये पियरे। चुनाव में मुख्य मुद्दा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कनाडा पर टैरिफ हमला है।

द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, कनाडा की अर्थव्यवस्था अपेक्षाकृत कमजोर स्थिति में है। इस पर ट्रंप के टैरिफ का बड़ा असर पड़ रहा है। कुछ मतदाता लिबरल पार्टी को इसके लिए दंडित करना चाहते हैं। लिबरल पार्टी पिछले एक दशक से सत्ता में है। कंजर्वेटिव पार्टी ने बदलाव, छोटी सरकार, कर कटौती और विनियमन में ढील का वादा किया है। बावजूद इसके लिबरल पार्टी को दोबारा वापसी की उम्मीद है। अधिकांश पोल पूर्वी समयानुसार रात 9:30 बजे बंद हो

जाएंगे। अन्य मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उम्मीदवारों ने रविवार को जनता से वोट मांगने के लिए अपना अंतिम प्रयास किया, लेकिन प्रचार के अंतिम घंटों में वैंकूवर में एक घातक कार-हमले से हड़कंप मच गया। इस हमले ने थोड़े समय के लिए देश का ध्यान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से हटा दिया। इस बार खास बात यह है कि पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो चुनाव से दूर हैं। 60 वर्षीय कार्नी को मार्च की शुरुआत में लिबरल पार्टी का नेता चुना गया।उन्होंने जस्टिन ट्रूडो की जगह ली। राजनीति में वो नए हैं लेकिन इससे पहले कनाडा और इंग्लैंड के दो बैंकों के प्रमुख रहे हैं। उनके पक्ष में बड़ी बात यह जाती है कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ बागी रुख अपनाया है। 45 वर्षीय पियरे पोइलिव्रे लगभग दो दशक से कनाडा की राजनीति में हैं। वह अपनी टकरावपूर्ण शैली के लिए जाने जाते हैं। इन दो पार्टियों के अलावा ब्लॉक क्यूबेकॉइस और न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी भी मैदान में हैं, लेकिन दोनों ही सरकार बनाने की दौड़ में नहीं है। ब्लॉक क्यूबेकॉइस स्थानीय और क्यूबेक राष्ट्रवादी पार्टी है। यह केवल इस फ्रांसीसी भाषी प्रांत क्यूबेक में उम्मीदवारों को खड़ा करती है। इसके नेता यवेस-फ्रांस्वा ब्लैंचेट 2019 से पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं। 46 वर्षीय जगमीत सिंह न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता हैं। यह वामपंथी झुकाव वाली पार्टी है।

डोनाल्ड ट्रंप चाहते हैं पुतिन-जेलेंस्की दो सप्ताह में करें शांति समझौता

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की दो सप्ताह के भीतर शांति समझौता करें। हालांकि उन्होंने बाद में कहा कि समझौते के लिए थोड़ा और समय स्वीकार्य हो सकता है। ट्रंप ने इससे पहले 26 अप्रैल को वेटिकन सिटी में पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार के अवसर पर यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से मुलाकात की थी।

एबीसी न्यूज के अनुसार, ट्रंप ने वाशिंगटन लौटने से पहले न्यू जर्सी के मॉरिसटाउन म्यूनिसिपल एयरपोर्ट पर संवाददाताओं से बातचीत में यह इच्छा जताई। उन्होंने कहा कि जेलेंस्की के साथ उनकी मुलाकात अच्छी रही। अब देखना यह है कि अगले कुछ दिनों में क्या होता है। उन्होंने कहा कि वह इस बात से बेहद निराश हैं कि रूस ने यूक्रेन में मिसाइल और ड्रोन हमले जारी रखे हैं। यह तब है, जब उन्होंने पुतिन से बातचीत जारी रहने के दौरान हमलों को रोकने का अनुरोध किया था।

ट्रंप से पूछा गया कि जेलेंस्की ने किस बारे में बात की। उन्होंने कहा कि जेलेंस्की ने और हथियारों की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पुतिन को गोलीबारी बंद कर समझौते पर हस्ताक्षर करना चाहिए। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि हालांकि यूक्रेन के लिए क्रीमिया में अपने क्षेत्र को पुनः प्राप्त करना जटिल होगा। इस पर रूस का 2014 से कब्जा है। उन्होंने इसके लिए पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा को रूस को इस क्षेत्र पर कब्जा करने की अनुमति देने के लिए दोषी ठहराया। इससे पहले रविवार को विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि ट्रंप की जेलेंस्की से मुलाकात के बाद रूस और यूक्रेन समझौते के करीब पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि अब अमेरिका को यह सोचना होगा कि क्या वह मध्यस्थता करने के लिए आगे आए।

खालिस्तान समर्थक गुरपतवंत सिंह पन्नू पाकिस्तान के मीडिया में भारत के खिलाफ उगल रहा जहर

इस्लामाबाद, एजेंसी। खालिस्तान समर्थक और सिख फॉर जस्टिस संगठन का संस्थापक गुरपतवंत सिंह पन्नू ने पाकिस्तान के मीडिया में भारत के खिलाफ फिर जहर उगला है। वाशिंगटन में पंजीकृत सिख फॉर जस्टिस को भारत सरकार पहले ही आतंकवादी संगठन घोषित कर चुकी है। ऐसा पहली बार नहीं है कि उसने भारत के खिलाफ विष वमन किया हो। पन्नू का विष वमन भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद उपजे हालात के बीच आया है। पाकिस्तान के एआरवाई न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में गुरपतवंत सिंह पन्नू ने भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ भी जहर उगला है। उसने इंटरव्यू में अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद और कश्मीर में चल रहे संघर्ष जैसे मुद्दों पर बात की है। उसने खुलकर कहा कि वह पाकिस्तान के साथ एकजुटता व्यक्त कर रहा है। उसने कहा कि वह पाकिस्तान के पंजाब में भारत की सेना के प्रवेश करने के किसी भी प्रयास का दृढ़ता से विरोध करेगा। पन्नू ने टिप्पणी की कि उसकी संयुक्त राज्य अमेरिका में हत्या कराने की कोशिश की गई। खालिस्तान समर्थक पन्नू ने कहा कि कश्मीर के लोगों को दुनिया भर में भारतीय दूतावासों के बाहर विरोध प्रदर्शन करना चाहिए।

गुरपतवंत सिंह पन्नू ने इंटरव्यू में क्लिंटन की भारत यात्रा का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इस दौरान भारत में सिखों का नरसंहार करवाया गया।उसने कहा कि पाकिस्तान को वैश्विक मंच पर भारत के खिलाफ मोर्चा खोलना चाहिए। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पेशे से वकील पन्नू का परिवार पहले भारत के पंजाब के नाथू चक गांव में रहता था। बाद में परिवार अमृतसर के पास खानकोट में बस गया। पन्नू के पिता महिंदर सिंह पंजाब मार्केटिंग बोर्ड के सचिव रह चुके हैं। पन्नू के एक भाई और एक बहन हैं। 1990 के दशक में पन्नू ने पंजाब यूनिवर्सिटी से कानून की पढ़ाई की। साल 1991-92 वे पन्नू अमेरिका चला गया। वहां एमबीए किया और न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी से कानून की डिग्री ली। साल 2007 में पन्नू ने सिख फॉर जस्टिस की स्थापना की।संगठन का पंजीकृत कार्यालय अमेरिका के वॉशिंगटन में है। पन्नू न्यूयॉर्क के ऑफिस से काम करता है। वहां उसकी लॉ फर्म भी है।

जेनसोल इंजीनियरिंग के शेयरों में 13वें दिन भी गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। जेनसोल इंजीनियरिंग के शेयरों में सोमवार को भी गिरावट जारी रही। कंपनी के शेयर पांच प्रतिशत तक टूट गए और इसमें फिर लोअर सर्किट लग गया। कंपनी का शेयर बीएसई पर 5 प्रतिशत गिरकर न्यूनतम कारोबार की स्वीकार्य सीमा तथा 86.50 रुपये के 52 सप्ताह के निम्नतम स्तर पर पहुंच गया। एनएसई में यह 5 प्रतिशत गिरकर 85.65 रुपये पर आ गया। यह शेयर का एक और निचला सर्किट और 52 सप्ताह का निम्नतम स्तर है। सोमवार को लगातार 13वें

कारोबारी दिन कंपनी के शेयरों में गिरावट जारी रही है। इस दौरान शेयरों में 47 प्रतिशत की गिरावट आई है। अपने 52 सप्ताह के उच्चतम स्तर 1,125.75 रुपये से कंपनी के शेयर में 92.31 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है। जेनसोल और ब्लूस्मार्ट के प्रमोटर अनमोल सिंह जग्गी और पुनीत सिंह जग्गी भाइयों पर भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की ईवी खरीद के लिए ऋण राशि के डायवर्जन के आरोपों को लेकर विनियामक कार्रवाई की जा रही है। सेबी ने दोनों पर पूंजी बाजार प्रतिबंध लगा दिया है, जिससे उन्हें सूचीबद्ध कंपनियों में हिस्सेदारी रखने से रोक दिया गया है।

युवा अब एमएनसी में नौकरी करने की जगह उद्यमी बनना कर रहे पसंद

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने स्टार्टअप पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सालों में भारत की युवा पीढ़ी की मानसिकता बदली है। अब युवा बहुराष्ट्रीय कंपनियों (एमएनसी) में नौकरी की तलाश करने के बजाय उद्यमी बनना पसंद कर रहे हैं। वॉशिंगटन डीसी में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और अमेरिका-भारत सामरिक भागीदारी मंच (यूएसआईएसपीएफ) द्वारा आयोजित अमेरिका-भारत आर्थिक मंच में अपने भाषण में गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि जब मैंने कॉलेज छोड़ा तो एमएनसी में नौकरी करना मेरा पसंदीदा विकल्प था। किसी ने भी अपना खुद का उद्यम शुरू करने के बारे में नहीं सोचा था। हाल के वर्षों में बड़ी संख्या में इंजीनियरिंग और प्रबंधन स्नातक उद्यमिता और स्टार्ट-अप की ओर रुख कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उद्यमिता की इस बढ़ती संस्कृति ने भारत को एक मजबूत स्टार्ट-अप इकोसिस्टम बनाने में मदद की है। देश में लगभग 150,000 मान्यता प्राप्त स्टार्ट-अप हैं, जिन्हें स्टार्ट-अप इंडिया, डिजिटल इंडिया और अटल इनोवेशन मिशन जैसी सरकारी पहलों का समर्थन प्राप्त है। आरबीआई गर्वनर ने कहा कि भारत में अब दुनिया में तीसरी सबसे बड़ी संख्या में यूनिकॉर्न हैं, जिनमें से कई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फिनटेक और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे उच्च तकनीक क्षेत्रों से उभर रहे हैं। भारत ने वैश्विक नवाचार सूचकांक में भी अपनी स्थिति में सुधार किया है।

भारत से सालाना 10 अरब डॉलर का माल जा रहा पाकिस्तान

व्यापार प्रतिबंधों के बाद भी लेन-देन

नई दिल्ली, एजेंसी। व्यापार प्रतिबंधों के बावजूद भारत से हर साल 10 अरब डॉलर से ज्यादा का माल दुबई, सिंगापुर और कोलंबो जैसे बंदरगाहों के जरिये अप्रत्यक्ष रूप से पाकिस्तान पहुंच रहा है। कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए बर्बर आतंकवादी हमलों के बाद लगाए गए व्यापार प्रतिबंधों के मद्देनजर आर्थिक थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने एक नोट में कहा, भारतीय कंपनियां इन बंदरगाहों पर सामान भेजती हैं। वहां एक स्वतंत्र कंपनी खेप को उतारती है और उन्हें बॉन्डेड गोदामों में रखती है। वहां ट्रांजिट के दौरान शुल्क का भुगतान किए बिना माल को रखा जा सकता है।

थिंक टैंक ने कहा, ट्रांजिट के बाद गोदामों में रखे गए माल के लेबल और दस्तावेजों को मूल देश (ओरिजिन कंट्री) से अलग दिखाने के लिए संशोधित किया जाता। ऐसे में लगता है कि माल किसी तीसरे देश से आ रहा है और फिर उसे ऊंची कीमतों पर बेचा जाता है। इस तरीके से कंपनियों को व्यापार प्रतिबंधों को दरकिनार करने और तीसरे देश के रास्ते से ऊंची कीमतों पर माल बेचने में मदद मिलती है। यह तरीका जांच से बचने में भी सहायक है, क्योंकि ऐसा लगता है कि व्यापार अन्य देशों से किया जा रहा है। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, व्यापार का यह तरीका हमेशा अवैध नहीं होता, लेकिन गुमराह करने जैसा है। इससे पता चलता है कि व्यापार के लिए कैसे रचनात्मक तरीके खोजे जाते हैं। कई बार उनकी चाल सरकारों की प्रतिक्रिया से भी तेज होती है।

ऐसे समझें व्यापार के इस तरीके का गणित

जीटीआरआई के नोट में उदाहरण के जरिये उत्पादों के लेबल को बदलकर ऊंची कीमतों पर बेचने का गणित बताया गया है। मान लीजिए, एक कंपनी भारत से दुबई के लिए एक लाख डॉलर मूल्य के ऑटो पार्ट्स का निर्यात करती है। भारत में निर्मित इन उत्पादों पर मेड इन यूएई का दोबारा लेबल लगाने के बाद 1.30 लाख डॉलर में पाकिस्तान भेज दिया जाता है, जिसके साथ भारत का सीधे तौर पर कोई व्यापार नहीं है। इस उच्च कीमत में भंडारण, कागजी कार्रवाई और बंद बाजार तक पहुंच भी शामिल है।

भारत ने पुलवामा हमले के बाद 200 फीसदी कर दिया था आयात शुल्क- 2019 में हुए पुलवामा आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के व्यापारिक संबंध खराब हो गए थे। इसके बाद भारत ने पड़ोसी देश से आयातित सभी वस्तुओं पर आयात शुल्क बढ़ाकर 200 फीसदी कर दिया। इसमें ताजे फल, सीमेंट, पेट्रोलियम उत्पाद और खनिज अयस्क शामिल हैं। इससे पहले 2017-18 में पाकिस्तान का भारत को निर्यात 48.85 करोड़ डॉलर था।

संसद के मानसून सत्र में पेश किया जाएगा बीमा संशोधन विधेयक, एफडीआई 100 प्रतिशत करने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद के आगामी मानसून सत्र में बीमा संशोधन विधेयक पेश किया जा सकता है। विधेयक में बीमा क्षेत्र में एफडीआई की सीमा बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने की तैयारी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विधेयक का मसौदा तैयार है और इसे जल्द ही मंजूरी के लिए कैबिनेट के सामने पेश किया जाएगा। कैबिनेट की मंजूरी के बाद वित्त मंत्रालय के तहत वित्तीय सेवा विभाग विधेयक को संसद में पेश करने की प्रक्रिया शुरू करेगा। संसद का मानसून सत्र आमतौर पर जुलाई में शुरू होता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस साल के बजट भाषण में कहा कि वित्तीय क्षेत्र सुधारों के तहत बीमा क्षेत्र में विदेशी निवेश की सीमा को मौजूदा 74 प्रतिशत से बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने का प्रस्ताव रखा। वित्त मंत्री ने कहा था कि, यह बढ़ी हुई सीमा उन कंपनियों के लिए उपलब्ध होगी जो भारत में पूरा प्रीमियम निवेश करती हैं। साथ ही विदेशी निवेश से जुड़ी मौजूदा शर्तों और सुरक्षा की समीक्षा की जाएगी और उन्हें सरल बनाया जाएगा।

ये किए जा सकते हैं बदलाव

रिपोर्ट्स के अनुसार, वित्त मंत्रालय ने बीमा अधिनियम, 1938 के विभिन्न प्रावधानों में संशोधन करने का प्रस्ताव दिया है, जिसमें बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को बढ़ाकर 100 प्रतिशत करना, और समग्र लाइसेंस का प्रावधान शामिल है। प्रस्तावित संशोधन पॉलिसीधारकों के हितों को बढ़ावा देने, उनकी वित्तीय सुरक्षा बढ़ाने और बीमा बाजार में अधिक खिलाड़ियों के प्रवेश को सुविधाजनक बनाने पर केंद्रित है। जिससे आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा। उल्लेखनीय है कि बीमा अधिनियम, 1938, भारत में बीमा के लिए विधायी ढांचा प्रदान करने वाला प्रमुख अधिनियम है। यह बीमा व्यवसायों के कामकाज के लिए ढांचा प्रदान करता है और बीमाकर्ता, उसके पॉलिसीधारकों, शेयरधारकों और नियामक इरेडा के बीच संबंधों को नियंत्रित करता है। वर्तमान में, भारत में 25 जीवन बीमा कंपनियाँ और 34 गैर-जीवन या सामान्य बीमा फर्म हैं। बीमा क्षेत्र में एफडीआई सीमा को पिछली बार 2021 में 49 प्रतिशत से बढ़ाकर 74 प्रतिशत की गई थी।

बचत का गणित 50-30-20: वित्तीय लक्ष्य हासिल करने के लिए अपनाएं नियम; पहले बचाएं, फिर खर्च पर दें ध्यान

नई दिल्ली, एजेंसी। भविष्य के वित्तीय लक्ष्यों को पाने के लिए हर व्यक्ति को अपनी कमाई के अनुसार बजट बनाना चाहिए। इससे पता चलता है कि आप कमाई का कितना हिस्सा खर्च करते हैं और कितनी राशि बचाते हैं। इसके लिए खर्च और बचत के नियम 50-30-20 को समझना आवश्यक है। यह आपकी कमाई, खर्च और बचत के बीच संतुलन बनाने में मददगार साबित होगा।

सीनेटर एलिजाबेथ वॉरेन ने अपनी पुस्तक ऑल योर वर्थ : द अल्टीमेट लाइफटाइम मनी प्लान में 50-30-20 नियम का जिक्र करते हुएबचत के तरीके बताए हैं।

इन बातों का भी रखें ध्यान

निवेश करते समय विशेषज्ञों की सलाह के बाद ही योजनाओं का चुनाव करें। महामारी जैसी आपात स्थिति से निपटने के लिए स्वास्थ्य बीमा, दुर्घटना बीमा आदि जरूर कराएं। अपने बाद परिवार की सुरक्षा करने के लिए टर्म बीमा लें। अच्छा पेंशन प्लान लें, जो बुढ़ापे में आपकी वित्तीय चिंता को दूर करे।

बाजार में सुधार से आईपीओ-एनएफओ की लगेगी लाइन, 66 कंपनियां एनएफओ की तैयारी में

नई दिल्ली, एजेंसी। कई देशों के बीच तनाव और महंगाई के चलते शेयर बाजार में अक्तूबर से जारी गिरावट अब थम गई है। बीएसई सेंसेक्स फिर से 80,000 के पार पहुंच गया है। निवेशकों को जितना घाटा हुआ था, उसकी आंशिक भरपाई भी हो रही है। बाजार की गिरावट में कंपनियां आईपीओ लाने की तैयारी कर रही हैं तो म्यूचुअल फंड नए फंड ऑफर (एनएफओ) लॉन्च करने के लिए तैयार बैठे है। फरवरी में महज तीन आईपीओ आए जबकि मार्च में एक भी नहीं आया। अप्रैल में एथर एनर्जी 2,981 करोड़ रुपये के साथ आईपीओ की शुरुआत कर रही है। ऐसे में आने वाले महीने से ज्यादा कंपनियां बाजार में उतर सकती हैं।

बढ़ने लगी है म्यूचुअल फंड स्कीमों की एनएवी- बाजार में सुधार से म्यूचुअल फंड स्कीमों की नेट एसेट वैल्यू यानी एनएवी बढ़ने लगी है। म्यूचुअल फंड की ज्यादातर स्कीमें इक्विटी में निवेश करती हैं। इसलिए, बाजार में गिरावट पर एनएवी यानी रिटर्न भी घटने लगता है। अप्रैल में बाजारों की तेजी ने म्यूचुअल फंड के रिटर्न की वापसी कर दी है। जो निवेशक घाटे में चले गए थे, उनकी भरपाई हो रही है। ऐसा इसलिए क्योंकि जिन स्कीमों ने इक्विटी में निवेश किया था, उन कंपनियों के शेयरों में सुधार से रिटर्न पर असर दिख रहा है।

66 कंपनियां एनएफओ की तैयारी में- इस साल जनवरी से मार्च तक 66 म्यूचुअल फंड कंपनियों ने एनएफओ लाने के लिए सेबी के पास मसौदा जमा कराया है। 2024 में इसी अवधि में यह संख्या 56 थी। अप्रैल में 12 फंड हाउसों ने एनएफओ लॉन्च किया है। इसमें एसबीआई से लेकर कोटक, बजाज और एडलवाइस जैसे फंड हाउस हैं।

निप्पॉन इंडिया ने दो पैसिव फंड लॉन्च किया है जो 30 अप्रैल तक खुला रहेगा। इसमें एक निफ्टी 500 लो वोलैटिलिटी-50 इंडेक्स जबकि दूसरा निफ्टी-500 क्वालिटी-50 इंडेक्स फंड है।

कम अस्थिर शेयरों में करें निवेश- विश्लेषकों का मानना है कि निवेशकों को इस समय कम अस्थिर वाले शेयरों में निवेश करना चाहिए। निप्पॉन के दोनों फंड पैसिव हैं और ये एक फैक्टर इन्वेस्टिंग दृष्टिकोण का पालन करते हैं।साथ ही, अच्छे शेयरों में निवेश करते हैं, जो उन्हें मौजूदा अस्थिर बाजारों के माहौल में बचाव के रूप में पेश करते हैं।

सिर्फ 30,000 रुपये उधार लेकर दो दोस्तों ने शुरू किया काम

नई दिल्ली, एजेंसी। सागर दरयानी और बिनोद होमगाई ने कारोबार में बड़ी सफलता हासिल की है। कोलकाता के इन दो दोस्तों ने सिर्फ 30,000 रुपये से करोड़ों का साम्राज्य खड़ा कर दिया है। उन्होंने 2008 में डब्ल्यूओडब्ल्यू2 ! मोमो की शुरुआत की थी। यह रेस्टोरेंट चेन आज भारत में 800 से ज्यादा आउटलेट्स के साथ बड़ा फूड एम्पायर बन चुकी है। सागर और बिनोद ने ग्राहकों को बेहतरीन अनुभव देने के लिए इसकी शुरुआत की थी। यह चेन हाइजीन, क्वालिटी और अलग-अलग तरह के मोमोज पर फोकस करती है। कंपनी का टारगेट 650 करोड़ का रेवेन्यू हासिल करना है। 2027 में उसकी आईपीओ लाने की योजना है। कंपनी ने 2024 में 475 करोड़ रुपये का रेवेन्यू कमाया। कंपनी अब साउथईस्ट एशिया और खाड़ी देशों में विस्तार करने की सोच रही है। आइए, यहां सागर दरयानी और बिनोद होमगाई की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

उधार लेकर शुरू किया काम - सागर दरयानी और बिनोद होमगाई ने 29 अगस्त 2008 को डब्ल्यूओडब्ल्यू2 ! मोमो की शुरुआत की। दोनों कोलकाता के सेंट जेवियर्स कॉलेज के छात्र रहे हैं। उनका मकसद सिर्फ मोमोज बेचना नहीं था। अलबत्ता, एक ऐसा एक्सपीरियंस देना था कि ग्राहक डब्ल्यूओडब्ल्यू2 कहें। उन्होंने कोलकाता में एक छोटे से कियोस्क से शुरुआत की थी। सागर और बिनोद का लक्ष्य था कि वे खाने के प्रति अपने प्यार को बड़ा आकार दें। सागर के पिता से 30,000 रुपये उधार लेकर उन्होंने अपना पहला मोमो स्टॉल लगाया। सागर मार्केटिंग और रिटेल का काम देखते थे, जबकि बिनोद प्रोडक्शन और क्वालिटी का ध्यान रखते थे। इस तरह उन्होंने एक छोटी सी दुकान को बड़ा ब्रांड बना दिया।

शुरुआत में आई कई मुश्किलें - शुरुआत में सागर और बिनोद को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। उन्होंने छोटे-छोटे कियोस्क से शुरुआत की। ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए कड़ी मेहनत की। उन्होंने चीज,बटर मसाला और मोबर्ग जैसे नए तरह के मोमोज बनाए। मोबर्ग एक मोमो-बर्गर है।

अब करोड़ों का साम्राज्य

सागर और बिनोद की सफलता का राज सिर्फ उनका खाना नहीं है, बल्कि उनका बिजनेस बढ़ाने का तरीका भी है।

2024 तक उनके 800 से ज्यादा आउटलेट्स थे। ये आउटलेट्स दिल्ली, मुंबई, बेगलुरु जैसे शहरों में फैले हुए हैं।

पढ़ने के आनंद का मनाएं जश्न, अमेजन इंडिया ने मेक इंडिया रीड मोर मिशन को किया और मजबूत

बेंगलुरु, एजेंसी। इस वर्ल्ड बुक डे पर अमेजन इंडिया अपने मेक इंडिया रीड मोर मिशन को आगे बढ़ा रहा है - ये एक व्यापक कोशिश है, जो भारत के रीडिंग कल्चर को बढ़ावा देने के लिए डेमोक्रेटाइज्ड एक्सेस, इनोवेटिव डिस्कवरी और कम्युनिटी एनगेजमेंट के जरिए काम करती है। ये प्रतिबद्धता देश भर के पाठकों तक किताबों की पहुंच को आसान बनाने के लिए अमेजन द्वारा किए जा रहे काम का हिस्सा है। अमेजन इंडिया के हाल के ट्रेंड्स से पता चलता है कि पूरे देश में किताबों की मांग बढ़ रही है, जिसमें नए कस्टमर्स और कैटेगरी सेल्स दोनों में डबल-डिजिट ग्रोथ देखी गई है। टियर 2 शहर इस विस्तार को खास तौर पर बढ़ा रहे हैं, जहां नए बुक कस्टमर्स की ग्रोथ मेट्रो शहरों की तुलना में दोगुनी रफ्तार से बढ़ रही है। इस डिमांड को सपोर्ट करने के लिए कंपनी ने अपनी सेम-डे डिलीवरी क्षमता को काफी बढ़ा दिया है, और अब टॉप 20 शहरों में पिछले साल की तुलना में दोगुने कस्टमर्स तक पहुंच रही है। राजर्षि गुइन, डायरेक्टर, बुक्स एंड टॉयज, अमेजन इंडिया ने कहा, किताबें अमेजन की पहचान का केंद्र बिंदु हैं, और भारत के पाठकों के लिए हमारी प्रतिबद्धता पहले से कहीं ज्यादा गहरी हुई है, भारत की सांस्कृतिक और शैक्षणिक विविधता को प्रदर्शित करने वाला साहित्य संग्रह से लेकर, तेज डिलीवरी और डिस्कवरी में निवेश करने तक, हमारा पूरा ध्यान रीडिंग को ज्यादा फायदेमंद और ज्यादा सुविधाजनक बनाने पर है। चाहे वो मेट्रो में एक युवा रीडर हो या टियर-3 टाउन में एक स्टूडेंट, हम हर दरवाजे तक सही किताब पहुंचाना चाहते हैं। 14 से ज्यादा भारतीय भाषाओं में उपलब्ध, 2 करोड़ से ज्यादा किताबों के कैटलॉग के साथ, अमेजन भारत के 100 प्रतिशत सर्विसेबल पिन कोड्स तक किताबें डिलीवर करता है। इस कैटेगरी में लिटरेरी फिक्शन, सेल्फ-हेल्प, बिजनेस और चिल्ड्रन्स बुक्स जैसे जॉनर्स में मजबूत डबल-डिजिट ग्रोथ देखी जा रही है, वहीं मलयालम और तमिल में रीजनल लैंग्वेज बुक्स की डिमांड पिछले साल की तुलना में दोगुनी हो गई है। एजुकेशनल कंटेंट भी मजबूत बना हुआ है, जिसमें गवर्नमेंट एग्जाम प्रीपरेशन मटीरियल्स में 30 प्रतिशत से ज्यादा की ग्रोथ हुई है, और इंजीनियरिंग व लॉ के लिए स्पेशलाइज्ड मटेरियल्स में पिछले साल की तुलना में 50 प्रतिशत से ज्यादा की ग्रोथ देखी गई है। डिस्कवरी और ग्राहक अनुभव को बेहतर करने के लिए, अमेजन की मंथली बुक बाजार इस साल अपनी 5वीं वर्षगांठ मना रही है, जिसमें 60 एडिशन्स होंगे जहां 300 से ज्यादा विशेष रीडिंग लिस्ट्स और 30,000 से ज्यादा किताबों पर डील्स की पेशकश की जाएगी, जो अलग-अलग जॉनर्स और भाषाओं में उपलब्ध होंगी। कंपनी फ्लैगशिप इनिशिएटिव्स जैसे ऑथर ऑफ द मंथ, अमेजन बुक टॉक सीरीज, और क्षेत्रीय भाषाओं की किताबों के लिए मातृभाषा स्टोर जैसे खास गंतव्य के माध्यम से पर्सनलाइज्ड एल्गोरिदम रिकमंडेशन्स को ट्रस्टेड एडिटोरियल क्यूरेशन के साथ मिलाती है।

सुनील मित्तल के बाद अब मुकेश अंबानी भी आगे आए

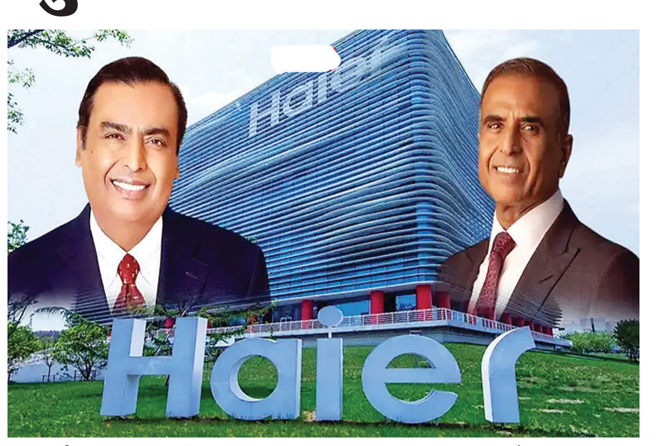

नई दिल्ली, एजेंसी। मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड अब एक बड़ी खबर में है। यह कंपनी चीन की एक बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी हायर की भारतीय इकाई में हिस्सेदारी खरीदने की दौड़ में शामिल हो गई है। हायर कंपनी भारत में अपने कारोबार को बढ़ाना चाहती है और इसके लिए वह किसी भारतीय कंपनी को अपना पार्टनर बनाना चाहती है।

इस दौड़ में रिलायंस का मुकाबला सुनील मित्तल की भारती ग्रुप से है। यह मुकाबला टेलीकॉम सेक्टर की तरह ही है, जहां ये दोनों कंपनियां पहले से ही एक दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। कितनी हिस्सेदारी बेचना चाहती है कंपनी

हायर अप्लायंसेज इंडिया एलजी और सैमसंग के बाद तीसरे नंबर पर है। यह कंपनी अपनी 25 प्रतिशतसे 51 प्रतिशततक हिस्सेदारी बेचने की योजना बना रही है। यह कंपनी स्ब्ल मोटर्स की तरह एक ऐसा ढांचा बनाना चाहती है, जिसमें कोई भारतीय कंपनी सबसे बड़ी शेयरधारक बन जाए। सूत्रों के अनुसार, हायर कंपनी का वैल्यूएशन 2-2.3 बिलियन डॉलर आंका जा रहा है। इसमें कंपनी को कंट्रोल करने का प्रीमियम भी शामिल है। हायर कंपनी पिछले साल के अंत से ही सिटी के साथ मिलकर बड़े फैमिली ऑफिस और प्राइवेट इक्विटी फंड्स से हिस्सेदारी बिक्री के लिए बात कर रही है।

टैरिफ से जुड़ा है कनेक्शन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ लगाने के बाद से चीनी कंपनियां अब भारत में हिस्सेदारी बेचने के लिए तैयार हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि टैरिफ की वजह से उनके प्रोडक्ट की कीमतें अमेरिका में बढ़ जाएंगी। इसलिए, चीनी कंपनियां अब भारत में अपना कारोबार बढ़ाना चाहती हैं।

क्या है दोनों कंपनियों का प्लान

रिलायंस ने इस साल की शुरुआत में नॉन-बाइंडिंग ऑफर देने के बाद इस दौड़ में एंट्री की है। सूत्रों के अनुसार, रिलायंस के सलाहकारों ने सीधे हायर के हेडक्वार्टर, चिंगदाओ में संपर्क किया है। दो इंडस्ट्री एग्जीक्यूटिव्स ने बताया कि मित्तल भी कुछ हफ्ते पहले हायर के टॉप मैनेजमेंट से मिलने चीन गए थे।

यह समझा जाता है कि रिलायंस रिटेल यूनिट इस संभावित अधिग्रहण के लिए एक माध्यम होगा। सूत्रों के अनुसार, रिलायंस अभी तक अकेले ही आगे बढ़ना चाहता है। रिलायंस पहले से ही बीपीएल और केल्विनटर जैसे लाइसेंस वाले ब्रांडों के साथ इलेक्ट्रॉनिक्स में अपना कारोबार बढ़ा रहा है। हालांकि, रिलायंस द्वारा स्थापित ब्रांड, रीकनेक्ट और वाइजर को ज्यादा सफलता नहीं मिली है।

कितनी मिलेगी इक्विटी

ज्यादातर भारतीय कंपनियां और प्राइवेट इक्विटी फर्म्स किसी भी गठबंधन में जूनियर पार्टनर नहीं बनना चाहती हैं। इसलिए, हायर कंपनी एक लोकल पार्टनर को 45-48 प्रतिशत इक्विटी देने पर विचार कर रही है। इसके अलावा, 3-6 प्रतिशतइक्विटी भारतीय कर्मचारियों और लोकल डिस्ट्रीब्यूटर्स के लिए रखी जाएगी, जबकि बाकी हिस्सेदारी कंपनी अपने पास रखेगी। सूत्रों के अनुसार, फाइनल स्ट्रक्चर अगले कुछ हफ्तों में तय होने की उम्मीद है।

संक्षिप्त समाचार

आई एम विजयन को मालाबार विशेष पुलिस बटालियन में डिप्टी कमांडेंट के पद पर पदोन्नत किया

तिरुवनंतपुरम (भाषा) केरल सरकार ने मंगलवार को भारतीय फुटबॉल के दिग्गज खिलाड़ी आई एम विजयन के लिए मालाबार स्पेशल पुलिस बटालियन में डिप्टी कमांडेंट का अतिरिक्त पद सृजित करने और खेल में उनके योगदान को देखते हुए उन्हें इस पद पर नियुक्त करने का आदेश पारित किया। विजयन वर्तमान में मालाबार विशेष पुलिस बटालियन में सहायक कमांडेंट हैं। सरकार ने राज्य पुलिस प्रमुख को आदेश के बाद आगे की कार्रवाई करने और एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। यह आदेश विजयन के पुलिस से सेवानिवृत्त होने से एक दिन पहले आया है। आदेश के अनुसार, विजयन ने डिप्टी कमांडेंट के अतिरिक्त पद के सृजन का अनुरोध करते हुए देश और केरल राज्य के लिए खेल में उनके योगदान को देखते हुए उन्हें उस पद पर नियुक्त करने की मांग की थी। आदेश में कहा गया है कि सरकार ने उनके अनुरोध पर विचार किया। उन्होंने खेल में अपने 'अमूल्य उपलब्धि' से देश और राज्य का गौरव बढ़ाया है। ऐसे में इसे एक विशेष मामले के रूप में स्वीकार करने का फैसला किया। सरकार ने उन्हें 2021 में इंस्पेक्टर के पद से असिस्टेंट कमांडेंट के पद पर पदोन्नत किया था। विजयन को पद्मश्री से सम्मानित किया गया है और वह केरल पुलिस फुटबॉल टीम के निदेशक भी हैं। वह अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के तकनीकी समिति के प्रमुख भी हैं।

नौसेना हाफ मैराथन विजेता रामेश्वर मुंजाल पांच साल के लिए प्रतिबंधित

नयी दिल्ली (एजेंसी) नौसेना के धावक रामेश्वर मुंजाल को मंगलवार को विश्व एथलेटिक्स की एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट (एआईयू) ने प्रतिबंधित पदार्थों की जांच में पॉजिटिव आने के बाद पांच साल का प्रतिबंध लगा दिया।

मुंजाल ने पिछले साल आठ दिसंबर को मुंबई में नौसेना हाफ मैराथन का खिताब जीता था। लेकिन अब उनसे यह खिताब छीन लिया गया है क्योंकि प्रतियोगिता के दौरान उनके नमूने में एरिथ्रोपीटिन (ईपीओ) और दरबेपोएटिन (डीईपीओ) पाया गया था। यह दोनों प्रतिबंधित पदार्थ की सूची में आते हैं। इस 27 साल के खिलाड़ी ने तब एक घंटे नौ मिनट और तीन सेकंड के समय के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया था। उनके नमूने का परीक्षण नयी दिल्ली में विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) से मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला में किया गया था, जिसने इस वर्ष 12 मार्च को उनकी रिपोर्ट दी थी।

एआईयू ने मुंजाल की जांच रिपोर्ट की समीक्षा करने के बाद उन्हें डोपिंग में लिप्त होने की सूचना दी। मुंजाल ने सोमवार को डोपिंग रोधी नियम के उल्लंघन की बात स्वीकार कर लिया।

तेंदुलकर सहित क्रिकेट दिग्गजों ने की वैभव सूर्यवंशी की सराहना

नयी दिल्ली (एजेंसी) मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर सहित क्रिकेट जगत की मशहूर हस्तियों ने 14 साल के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की सराहना करते हुए इस विलक्षण बालक को एक उभरता हुआ सितारा बताया।

राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए सूर्यवंशी ने सोमवार की रात जयपुर में खेले गए आईपीएल मैच में गुजरात टाइटंस के राशिद खान को मिडविकेट पर छक्का लगाकर टी20 में सबसे कम उम्र का शतक बनाने वाला खिलाड़ी बनने के बाद क्रिकेट जगत को अपना दीवाना बना दिया।

भारत की तरफ से 16 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले तेंदुलकर ने एक्स पर पोस्ट किया, '' वैभव का निडर दृष्टिकोण, बल्लेबाजी की गति, लेंथ का जल्दी अनुमान लगाना और अपनी पूरी शक्ति गेंद पर लगा देना उनकी शानदार पारी का नुस्खा था। इसका परिणाम यह था कि वह 38 गेंद पर 101 रन बनाने में सफल रहे। बहुत अच्छी पारी खेली।''

सूर्यवंशी ने 35 गेंद में शतक जड़कर राजस्थान रॉयल्स के पूर्व बल्लेबाज यूसुफ पठान के किसी भारतीय के टी20 में सबसे तेज शतक के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। सूर्यवंशी का तब जन्म भी नहीं हुआ था जब 15 साल पहले पठान ने 37 गेंद में शतक लगाया था। पठान ने कहा, ''एक भारतीय का आईपीएल में सबसे तेज शतक का मेरा रिकॉर्ड तोड़ने के लिए युवा वैभव सूर्यवंशी को बहुत-बहुत बधाई! राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए इसे देखना और भी खास है, जैसा मैंने किया था।''

भारत के एक अन्य पूर्व बल्लेबाज युवराज सिंह ने कहा, ''आप 14 साल की उम्र में क्या कर रहे थे। यह बच्चा बिना पलक झपकाए दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों का सामना कर रहा है। वैभव सूर्यवंशी - नाम याद रखें। वह निडर रवैये के साथ खेल रहा है। अगली पीढ़ी के शानदार प्रदर्शन को देखकर गर्व है।'' भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज क्रिस श्रीकांत ने सूर्यवंशी को भारतीय क्रिकेट का अगला सुपरस्टार बताया।

श्रीकांत ने कहा, ''14 साल की उम्र में ज्यादातर बच्चे सपने देखते हैं और आइसक्रीम खाते हैं। वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल के दावेदारों में से एक के खिलाफ शानदार 100 रन बनाए। उनका धैर्य, कौशल और साहस उनकी उम्र से कहीं अधिक है। हम एक अभूतपूर्व बल्लेबाज का उदय देख रहे हैं। भारतीय क्रिकेट का अगला सुपरस्टार यहां है।''

नीतीश ने 10 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की

पटना (एजेंसी) बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने टी20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र के शतक बनाने वाले 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी की सराहना करते हुए उन्हें उनके शानदार प्रदर्शन के लिए मंगलवार को 10 लाख रुपये का नकद इनाम देने की घोषणा की। सूर्यवंशी ने सोमवार गुजरात टाइटंस के खिलाफ 38 गेंदों में 101 रन बनाकर 14 साल और 32 दिन की उम्र में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के सबसे कम उम्र के शतकवीर बनने का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने 35 गेंद में अपना शतक पूरा किया जिससे वह आईपीएल में सबसे तेज शतक बनाने वाले भारतीय खिलाड़ी बन गये। उन्होंने इस दौरान अपनी पारी में 94 रन बाउंड्री से बनाये। नीतीश ने ट्विटर पर लिखा, ''आईपीएल के इतिहास में सबसे कम उम्र (14 साल) में शतक लगाने वाले खिलाड़ी बने बिहार के वैभव सूर्यवंशी को बधाई एवं शुभकामनाएं। वे अपनी मेहनत और प्रतिभा के बलबूते भारतीय क्रिकेट की एक नई उम्मीद बन गए हैं। सभी को उन पर गर्व है।'' उन्होंने सूर्यवंशी और उनके पिता से मुलाकात की फोटो को साझा करते हुए लिखा, ''वैभव सूर्यवंशी एवं उनके पिता से वर्ष 2024 में 'एक अणे मार्ग' में मुलाकात हुई थी तथा उस समय मैंने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की थी।

सूर्यवंशी विशेष प्रतिभा, भारत की तरफ से लंबे समय तक खेल सकते हैं: राठौड़

जयपुर (एजेंसी) राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने वैभव सूर्यवंशी को विशेष प्रतिभा करार देते हुए कहा कि अगर वह खेल पर अपना ध्यान केंद्रित रखते हैं तो लंबे समय तक भारतीय क्रिकेट की सेवा कर सकते हैं। राठौड़ ने मैच के बाद पत्रकारों से कहा, ''हम पिछले कुछ महीनों से इसे नेट पर देख रहे हैं, हमें पता था कि वह क्या करने में सक्षम है और वह कौन से शॉट खेल सकता है, लेकिन खचाखच भरे स्टेडियम में और इस तरह की स्थिति में वास्तव में अच्छे गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ ऐसा करना, यह वास्तव में विशेष था।''

राष्ट्रीय टी20 कप्तान और मुंबई इंडियंस के स्टार सूर्यकुमार यादव ने भी इस किशोर बल्लेबाज की सराहना की और कहा कि उन्होंने गेंदबाजों की पूरी तरह से बखिया उधेड़ दी।

सूर्यकुमार ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया, ''यह बिल्कुल अविश्वसनीय है।'' भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने लिखा, ''वैभव सूर्यवंशी, क्या अविश्वसनीय प्रतिभा है। सिर्फ 14 साल की उम्र में शतक बनाना अविश्वसनीय है। चमकते रहो भाई।''

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज ने कहा, ''वैभव सूर्यवंशी को आज खेलते हुए देखकर ऐसा लगा जैसे इतिहास बनते हुए देख रहे हों।

भाकर, कुसाले म्यूनिख विश्व कप के लिए टीम में

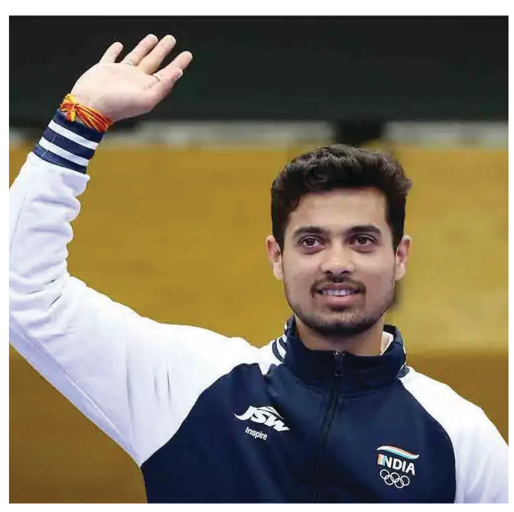

नयी दिल्ली (एजेंसी) पेरिस ओलंपिक के सितारे मनु भाकर और स्वप्निल कुसाले को मंगलवार को एशियाई खेलों की मौजूदा चैंपियन पलक के साथ आठ जून से शुरू होने वाले आईएसएसएफ राइफल/पिस्टल विश्व कप के म्यूनिख चरण के लिए 23 सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल किया गया। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने टीम की घोषणा की, जिसमें भाकर दो व्यक्तिगत स्पर्धाओं (महिलाओं की 10 मीटर और 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा) में जगह बनाने वाली एकमात्र सदस्य हैं। राष्ट्रीय टीम में पुरुष एयर राइफल में संदीप सिंह की वापसी हुई है। कुसाले और संदीप पेरिस खेलों में भाग लेने के बाद पहली बार प्रतिस्पर्धा करते दिखेंगे। भारतीय राइफल और पिस्टल टीम हाल ही में अर्जेंटीना और पेरू में आयोजित दो-चरण वाले संयुक्त आईएसएसएफ विश्व कप से लौटी है। टीम ने इसमें कुल छह स्वर्ण सहित 15 पदक जीते थे। भारतीय टीम अर्जेंटीना में दूसरे जबकि पेरू में तीसरे स्थान पर थी।

उस टीम के कुल 13 सदस्य म्यूनिख जाने वाली टीम में भी हैं। इसमें महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन (3पी) और 25 मीटर पिस्टल प्रतियोगिताओं में कोई बदलाव नहीं हुआ है। म्यूनिख के लिए चुनी गयी टीम में तीन नए खिलाड़ी भी होंगे।

महाराष्ट्र की राष्ट्रीय चैंपियन अनन्या नायडू को घरेलू सर्किट में अपने शानदार प्रदर्शन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जारी रखने का मौका दिया गया है।

पुरुष वर्ग में एयर पिस्टल में दो नये निशानेबाजों को मौका दिया गया है। इसमें हाल ही में कुमार सुरेंद्र सिंह स्मारक टूर्नामेंट में मिश्रित टीम का खिताब जीतने वाली जोड़ी का हिस्सा रहे हरियाणा के आदित्य मालरा और सेना के निशानेबाज निशांत रावत का नाम शामिल है। रुद्राक्ष पाटिल और ऐश्वर्या तोमर ने स्वेच्छा से टीम से नाम वापस ले लिया है।

भारत ने महिला त्रिकोणीय वनडे श्रृंखला में दक्षिण अफ्रीका को हराया

कोलंबो (एजेंसी) भारतीय महिला टीम ने तीन देशों की एकदिवसीय श्रृंखला के दूसरे मुकाबले में मंगलवार का यहां दक्षिण अफ्रीका को 15 रन से शिकस्त देकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

भारत ने छह विकेट पर 276 रन बनाने के बाद दक्षिण अफ्रीका की पारी को 49.2 ओवर में 261 रन पर समेट दिया।

दक्षिण अफ्रीका के लिए ताजमिन ब्रिट्स ने 109 रन बनाये लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने आखिरी ओवरों में मैच का पासा पलट दिया। भारत के लिए स्नेह राणा ने पांच विकेट चटकाये जबकि अरुंधति रेड्डी, श्री चारणी और दीप्ति शर्मा को एक-एक सफलता मिली।

रैपिड वर्ग में अरविंद चितंबरम संयुक्त रूप से शीर्ष पर

वारसा (पोलैंड) (एजेंसी) भारतीय ग्रैंडमास्टर अरविंद चितंबरम ने दबाव में अच्छा प्रदर्शन करते हुए ग्रैंड शतरंज टूर के तहत आयोजित 'सुपरबेट रैपिड एंड ब्लिट्ज टूर्नामेंट' के रैपिड दौर के आखिरी गेम में फ्रांस के अलिरेजा फिरोजा को हरा कर 11 अंकों के साथ संयुक्त रूप से पहला स्थान हासिल कर लिया।

वाइल्ड कार्ड से टूर्नामेंट का टिकट हासिल करने वाले चितंबरम को फिरोजा और स्लोवेनिया के व्लादिमीर फेडोसेव की बराबरी करने के लिए इस मुकाबले में जीत की जरूरत थी। उन्हें भाग्य का भी साथ मिला क्योकि फ्रांस के खिलाड़ी ने थोड़ी जल्दी हार मान ली। फिरोजा के पास इस मुकाबले को बराबरी पर रोकने का मौका था।

आर प्रज्ञानानंदा ने अंतिम दो राउंड में रोमानिया के डेविड गैवरिल्सकू और डूडा पर जीत के साथ शानदार वापसी की और 10 अंक के साथ संयुक्त रूप से चौथे पायदान पहुंच गये। फ्रांस के मैक्सिम वचियर-लाग्रेव नौ अंकों के साथ उनसे बहुत पीछे नहीं हैं, जो रोमानिया के डेक बोगदान डैनियल और डुडा से एक अंक आगे हैं। गवरिलस्कू दस खिलाड़ियों के टूर्नामेंट में सात अंकों के साथ नौवें स्थान पर हैं, जो पूर्व विश्व चैंपियन वेसेलिन टोपालोव से दो अंक अधिक हैं। इस टूर के पहले आयोजन में ब्लिट्ज वर्ग के 18 मुकाबले अभी बाकी है।

अरविंद ने दिन की शुरुआत डुडा पर जीत के साथ की। उन्हें इसके बाद आठवें दौर के मैच में वाचियर-लाग्रेव से हार का सामना करना पडा। इस हार से हालांकि उनका हौसला कम नहीं हुआ और उन्होंने फिरोजा पर जीत के साथ शीर्ष स्थान सुनिश्चित की। इस टूर में खिलाड़ियों को जीत के लिए दो अंक और ड्रॉ पर एक अंक मिलता है। प्रज्ञानानंदा शुरुआती छह गेम के बाद पांच अंक के साथ पिछड़ रहे थे लेकिन उन्होंने वाचियर-लाग्रेव को बराबरी पर रोकने के बाद आखिरी दो गेम को जीतकर मजबूत वापसी की।

पंजाब के खिलाफ किस्मत बदलने की कोशिश करेगा चेन्नई

चेन्नई (एजेंसी) चेन्नई सुपर किंग्स प्ले ऑफ की दौड़ से लगभग बाहर हो चुका है लेकिन वह पंजाब किंग्स के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में अच्छा प्रदर्शन करके अपनी किस्मत बदलने की कोशिश करेगा।

पांच बार की चैंपियन चेन्नई के लिए यह सत्र निराशाजनक रहा है और वह नौ मैचों में से सिर्फ दो जीत के साथ तालिका में सबसे नीचे है। दूसरी तरफ पंजाब किंग्स नौ मैचों में पांच जीत के साथ पांचवें स्थान पर है और वह लगातार हार से निराश चेन्नई के खिलाफ जीत दर्ज करके अंक तालिका में अपनी स्थिति मजबूत करना चाहेगा। चेन्नई के लिए सबसे निराशाजनक बात लंबे समय से उसके गढ़ माने जाने वाले चेपक में घरेलू परिस्थितियों से सामंजस्य से बिठाने में असफल रहना है।

चेन्नई की टीम प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी धुंधली उम्मीदों को बरकरार रखने के लिए टूर्नामेंट की अपनी तीसरी जीत दर्ज करने के लिए बेताब होगी।

यहां तक कि महेंद्र सिंह धोनी जैसा करिश्माई खिलाड़ी भी कोहनी की चोट के कारण बाहर होने वाले रुतुराज गायकवाड़ से कप्तानी संभालने के बाद टीम में जोश भरने में नाकाम रहा है।धोनी ने स्वीकार किया कि चेन्नई की टीम अभी तक सही संयोजन तैयार करने में असफल रही है। धोनी ने कहा था, ''अगर आप पावरप्ले देखें, चाहे वह संयोजन हो या परिस्थितियां, हम बल्ले और गेंद दोनों से संघर्ष कर रहे हैं।'' इस मैच में कुछ खिलाड़ियों के बीच दिलचस्प मुकाबला देखने को मिल सकता है। चेन्नई के युवा खिलाड़ी आयुष म्हात्रे जब पावरप्ले में अर्शदीप सिंह का सामना करेंगे तो वह दमदार प्रदर्शन करना चाहेंगे।

बीच के ओवरों में सबसे मनोरंजक जंग शिवम दुबे और युजवेंद्र चहल के बीच होने की उम्मीद है। चहल शानदार फॉर्म में हैं और यह देखना दिलचस्प होगा कि चेन्नई का मध्य क्रम उनकी चुनौती से कैसे पार पाता है। प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने पंजाब को शानदार शुरुआत दिलाई है और इन दोनों पर अंकुश लगाने की जिम्मेदारी बाएं हाथ के तेज गेंदबाज खलील अहमद पर होगी। कप्तान श्रेयस अय्यर के रूप में पंजाब को एक ऐसा बल्लेबाज मिला है जो अच्छी तरह से सूत्रधार की भूमिका निभाता है। चेन्नई के स्पिनर नूर अहमद को उनके खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

धोनी 43 साल का होने के बावजूद मैच का सकारात्मक अंत करने में सक्षम हैं लेकिन विजय शंकर, दीपक हुड्डा और राहुल त्रिपाठी जैसे भारतीय बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत है। गेंदबाजी में रवींद्र जड़ेजा, रविचंद्रन अश्विन और मथीशा पथिराना के संघर्ष से भी चेन्नई को मदद नहीं मिली है।

पंजाब के पास मार्को यानसन के रूप में बहुत अच्छा ऑलराउंडर है, जबकि गेंदबाजी इकाई का नेतृत्व अर्शदीप और चहल करेंगे।

टीम इस प्रकार हैः चेन्नई सुपर किंग्सः एमएस धोनी (कप्तान और विकेटकीपर), डेवाल्ड ब्रेविस, डेवोन कॉनवे, राहुल त्रिपाठी, शेख रशीद, वंश बेदी, आंद्रे सिद्धार्थ, आयुष म्हात्रे, रचिन रवींद्र, रविचंद्रन अश्विन, विजय शंकर, सैम कुरेन, अंशुल कंबोज, दीपक हुडा, जेमी ओवरटन, कमलेश नागरकोटी, रामकृष्ण घोष, रवींद्र जडेजा, शिवम दुबे, खलील अहमद, नूर अहमद, मुकेश चौधरी, नाथन एलिस। श्रेयस गोपाल, मथीशा पथिराना।

पंजाब किंग्सः श्रेयस अय्यर (कप्तान), युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, मार्कस स्टोइनिस, नेहल वढेरा, ग्लेन मैक्सवेल, विशाक विजयकुमार, यश ठाकुर, हरप्रीत बराड़, विष्णु विनोद, मार्को यानसन, लॉकी फर्ग्यूसन, जोश इंग्लिस, जेवियर बार्टलेट, कुलदीप सेन, पायला अविनाश, सूर्यांश शेडगे, मुशीर खान, हरनूर पन्नू, आरोन हार्डी, प्रियांश आर्य, अजमतुल्लाह उमरजई.

मैच भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे शुरू होगा।

मर्दानी 3 में रानी मुखर्जी के अलावा ये अभिनेत्री निभाएगी पुलिस का किरदार

साल 2014 में रिलीज हुई फिल्म मर्दानी में अभिनेत्री रानी मुखर्जी ने पुलिस का दमदार किरदार निभाया था। ये फिल्म काफी कामयाब रही थी। फिल्म की कामयाबी के बाद रानी मुखर्जी मर्दानी 2 में नजर आईं। यह फिल्म 2019 में रिलीज हुई। यह फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर काफी कामयाब रही। अब फैंस इसके तीसरे पार्ट का इंतजार कर रहे हैं। साल 2024 में खबर आई कि फिल्म निर्माता मर्दानी 3 पर काम कर रहे हैं। खबर के मुताबिक फिल्म मर्दानी 3 की शूटिंग इसी साल के शुरुआत में शुरू हो चुकी है। फिल्म अगले साल 2026 में होली के मौके पर रिलीज होगी।

जानकी बोदीवाला होंगी फिल्म का हिस्सा

वेबसाइट के मुताबिक अभिनेत्री जानकी बोदीवाला भी फिल्म मर्दानी 3 में अहम किरदार अदा करेंगी। जानकी बोड़ीवाला ने फिल्म शैतान में अच्छा रोल निभाया था। इससे रानी मुखर्जी और आदित्य चोपड़ा प्रभावित हुए हैं, इसलिए उन्होंने जानकी बोदीवाला को फिल्म में अहम किरदार दिया है। वह फिल्म में एक पुलिस का किरदार निभाएंगी। फिल्म की शूटिंग मुंबई में हो रही है। खबर है कि मर्दानी 3 दोनों फिल्मों से जबरदस्त होगी। पहले की फिल्में सामाजिक मुद्दों पर आधारित थीं। उसी तरह यह फिल्म भी जरूरी सामाजिक मुद्दों पर होगी।

जानकी बोदीवाला का बॉलीवुड में दमदार किरदार

जानकी बोदीवाला ने बॉलीवुड में शैतान फिल्म से डेब्यू किया था। इससे पहले वह गुजराती फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा थीं। अब वह बॉलीवुड में मर्दानी 3 में अहम रोल अदा करने वाली हैं।

मर्दानी 3 यशराज फिल्म्स के बैनर तले रिलीज होने वाली है। इस बैनर तले चार फिल्में रिलीज होने वाली हैं। सैयारा 18 जुलाई, वार 2 दो अगस्त, अल्फा 25 दिसंबर और मर्दानी 3 27 फरवरी 2026 को रिलीज होने वाली हैं।

कॉस्मेटिक सर्जरी को लेकर बोलीं रकुल प्रीत

रकुल प्रीत सिंह के एक्टिंग करियर को लगभग 15 साल हो चुके हैं। वह कई रोमांटिक फिल्मों का हिस्सा बन चुकी हैं। रकुल को फैंस उनके नेचुरल लुक के लिए भी काफी पसंद करते हैं। हाल ही में कॉस्मेटिक सर्जरी, प्रोसिजर को लेकर रकुल ने अपना नजरिया साझा किया।

भगवान ने मुझे ठीक-ठाक शक्ल दी हाल ही में एक इवेंट में रकुल प्रीत सिंह को देखा गया। इंस्टेंट बॉलीवुड से की गई बातचीत में वह बताती हैं कि उन्हें कभी कॉस्मेटिक सर्जरी कराने का ख्याल नहीं आया। रकुल कहती हैं, 'भगवान ने मुझे ठीक-ठाक शक्ल दी है, इसलिए ऐसी बातों के बारे में सोचा नहीं है।' बताते चलें कि पिछले दिनों रकुल को पैपराजी ने मुंबई में एक गाड़ी से उतरते देखा तो उन्होंने अपने होंठों को छुपा लिया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था। इस वीडियो को देखकर यूजर्स ने कहा था कि रकुल ने होंठों पर कोई कॉस्मेटिक प्रोसिजर करवाया है या फिर फिलर (एक तरह का प्रोसिजर है, जिससे होंठ उभरे हुए नजर आते हैं) का यूज किया है।

कॉस्मेटिक प्रोसिजर को गलत नहीं मानती

आगे रकुल कहती हैं, 'हां, अगर कोई ऐसा करना चाहता है तो इसमें कुछ गलत नहीं है। देखिए पहले कई बीमारियों का इलाज नहीं था, अब है। ऐसे ही अगर कोई सुंदर दिखने के लिए कॉस्मेटिक प्रोसिजर करवाना चाहता है तो इसमें गलत कुछ नहीं है।'

इन फिल्मों में नजर आएंगी रकुल

रकुल के करियर फ्रंट की बात करें तो वह कुछ दिन पहले अर्जुन कपूर की फिल्म 'मेरे हसबैंड की बीवी' में नजर आईं। इस साल वह एक साउथ फिल्म 'इंडियन 3' कर रही हैं, साथ ही 'दे दे प्यार दे-2' में भी नजर आएंगी। इस फिल्म के पहले पार्ट में रकुल की जोड़ी अजय देवगन के साथ बनी थी।

करियर की शुरूआत में मुझे बदकिस्मत कहा जाता था

तमिल, तेलुगु और हिंदी फिल्मों में नजर आ चुकीं अभिनेत्री श्रुति हासन ने अपने करियर के शुरूआती दिनों को याद करते हुए बात की। फिल्मफेयर के साथ हालिया बातचीत में अभिनेत्री ने बताया कि कैसे उन्हें अपने करियर की शुरुआत में बदकिस्मत माना जाता था। क्योंकि उनकी पहली दो फिल्में बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई थीं। अभिनेत्री ने कहा कि तेलुगु में यह मिथक था कि मैं बदकिस्मत हूं, क्योंकि मेरी पहली दो फिल्में नहीं चलीं। लेकिन उन्हें यह एहसास नहीं हुआ कि उन दो फिल्मों में एक ही हीरो था। लेकिन लोग कहते थे कि उन्हें मैं नहीं चाहिए। श्रुति ने साल 2011 में सिद्धार्थ के साथ फिल्म 'अनागनागा ओ धीरुदु' और रोमांटिक ड्रामा 'ओह माय फ्रेंड' में काम किया था। ये उनकी पहली दो फिल्में थीं। दोनों फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रहीं। अभिनेत्री ने आगे बताया कि फिर पवन कल्याण सर ने मुझ पर भरोसा जताया और मेरा पूरा करियर बदल गया। अचानक बॉम्बे दिखने लगा, और तमिल दिखने लगा। एक्ट्रेस ने कहा कि यह सिर्फ लोगों की वजह से है और वे आप पर कितना भरोसा करते हैं। यह क्रिएटिव रूप से भी तब सामने आता है जब उन्हें लगता है कि आप कुछ कर सकते हैं। पवन कल्याण ने 2012 में आई 'गब्बर सिंह' में श्रुति हासन के साथ काम किया था।

साई को रिलेशनशिप में मिला धोखा

हालिया रिलीज 'ग्राउंड जीरो' में इमरान हाशमी के साथ नजर आईं अभिनेत्री साई तम्हणकर ने एक्टिंग से परे अपनी व्यक्तिगत जिंदगी, प्यार, विश्वासघात और धोखे को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने रोमांटिक रिलेशनशिप को प्रभावित करने वाले कुछ इमोशनल पैटर्न के बारे में भी अपने विचार रखे।

साई को मिला रिश्ते में धोखा

हॉटरफ्लाई के साथ हालिया बातचीत में अभिनेत्री साई तम्हणकर ने अपने एक रिलेशनशिप के बारे में बात करते हुए कहा, हां, बेशक मुझे धोखा मिला है। कम उम्र में धोखा दिया गया था। मुझे लगता है कि मेरे जीवन में बहुत पहले मेरे बहुत बुरे रिश्ते रहे हैं। मैंने इससे बहुत कुछ सीखा है। मुझे यह भी लगता है कि एक व्यक्ति के साथ रहना थोड़ा अप्राकृतिक है। मेरा मानना है कि चीट करने पर खुले तौर पर वापस आकर अपने पार्टनर को यह बताने की हिम्मत रखो कि मैंने यह किया है। आप दोनों इसके साथ शांति बनाए रखें।

साई ने बताया बहस के दौरान क्या करती हैं लड़कियां बहस के दौरान अक्सर अनसुलझे मुद्दों के फिर से उभर आने पर साई का कहना है, तब लड़की को हर लड़ाई में यह करने की जरूरत नहीं है। लेकिन लड़कियां ऐसा करती हैं। हर लड़ाई में, अगर कोई पुरानी बात है तो। मैंने भी यह किया है, इसलिए मैं यह कह रही हूं। वह ऐसा करती है, इसलिए ऐसा नहीं होना चाहिए। कमिटेड रिलेशनशिप में चिंता बनी रहने और धोखे का डर सा लगा रहने पर अभिनेत्री ने कहा, जब कोई रिश्ता बनता है, तो वह बेचैनी या वह भावना अभी भी जीवित रहती है। लेकिन यह वाकई में दूरी नहीं होती है।

2013 में की शादी, दो साल बाद हो गईं अलग

साई तम्हणकर ने पहले विजुअल इफेक्ट आर्टिस्ट अमेय गोसावी से शादी की थी। दोनों ने 15 दिसंबर 2013 को शादी की, लेकिन 2015 में आपसी सहमति से अलग हो गए। हालांकि उन्होंने कभी भी अपने अलग होने का कारण सार्वजनिक रूप से नहीं बताया।

जयदीप ने बताया कैसे संभालते हैं फेम का प्रेशर

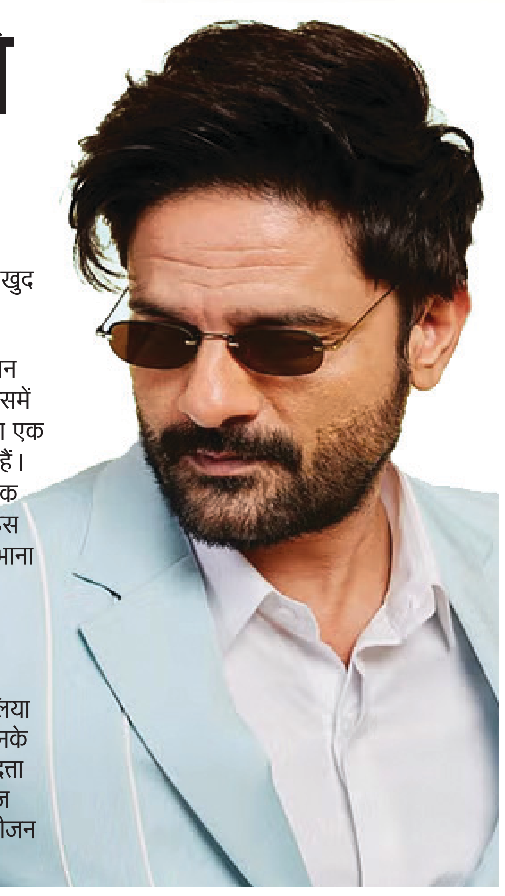

अपने अभिनय से इंडस्ट्री में एक अलग मुकाम हासिल करने वाले अभिनेता जयदीप अहलावत इन दिनों अपनी हालिया रिलीज 'ज्वेल थीफ' को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई है और इसे लोगों के मिले-जुले रिस्पॉन्स मिल रहे हैं। इससे पहले अभिनेता को उनके शो पाताल लोक सीजन 2 के लिए काफी प्रशंसाएं मिलीं और उनके अभिनय को काफी सराहा गया। अब अभिनेता ने सीरीज के किरदार हाथी राम चौधरी को लेकर बात की है। साथ ही उन्होंने बताया कि कैसे 'पाताल लोक' ने उनके जीवन में काफी बदलाव लाया है।

हाल ही में बातचीत में जयदीप अहलावत ने अपने सबसे मशहूर किरदार हाथी राम चौधरी को लेकर बात की। अभिनेता ने कहा, मुझे अपने आज तक निभाए गए सभी किरदार पसंद हैं। लेकिन बेशक जिसने मेरे करियर को सबसे अधिक प्रभावित किया, वह पाताल लोक था। हाथी राम ने मेरे लिए और लोगों के मुझे एक अभिनेता के रूप में देखने के तरीके में बहुत कुछ बदल दिया।

किरदार के प्रति रहना है ईमानदार

इस दौरान जयदीप अहलावत ने बैक-टू-बैक हिट परफॉर्मेंस देने के दबाव के बारे में भी बात की। अभिनेता ने कहा, यह दबाव हमेशा बना रहता है। इसलिए मैं खुद को यह याद दिलाता रहता हूं कि किरदार के साथ ईमानदार रहना है। बाकी सब सिर्फ शोर है।

हालिया रिलीज 'ज्वेल थीफ' में अपने किरदार राजन औलाख के बारे में बात करते हुए एक्टर ने कहा, इसमें स्वभाव, तड़क-भड़क और शरारत या खुराफात का एक संकेत है। यह स्टाइलिश है, लेकिन इसमें परतें भी हैं। इसकी अप्रत्याशिता और नयेपन ने मुझे सबसे अधिक उत्साहित किया। भले ही पहले भी मैंने इंटेंस और इस तरह के किरदार निभाए हों, लेकिन यह भूमिका निभाना मजेदार था।

'द फैमिली मैन सीजन 3' में दिखाई देंगे जयदीप अहलावत

वर्कफ्रंट की बात करें तो जयदीप अहलावत की हालिया रिलीज 'ज्वेल थीफ- द हीस्ट बिगिन्स' है। इसमें उनके साथ सैफ अली खान, कुणाल कपूर और निकिता दत्ता भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आई हैं। वो अब मनोज बाजपेयी की बहुप्रतीक्षित सीरीज 'द फैमिली मैन सीजन 3' में साथ नजर आएंगे।

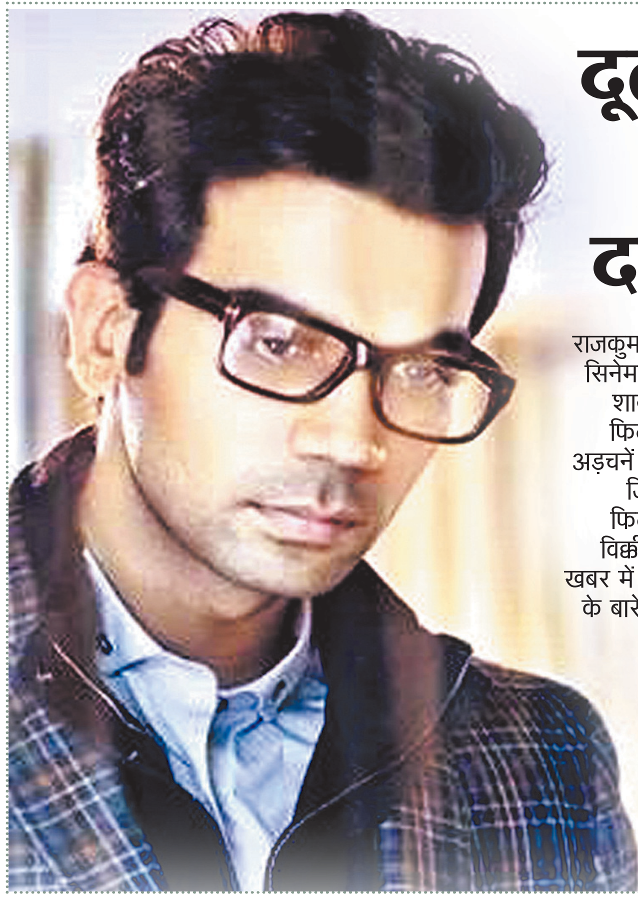

दूल्हा बनने के अलावा राजकुमार राव ने इन फिल्मों में निभाया दमदार किरदार, खूब हुई तारीफ

राजकुमार राव की फिल्म भूल चूक माफ 9 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में शादी में हो रही मुश्किलों को दिखाया गया है। फिल्म में राजकुमार राव की शादी होने में कई अड़चनें आती हैं। राजकुमार राव की कई फिल्में हैं जिनमें शादी के मुद्दे को दिखाया गया है। इन फिल्मों में शादी में जरूर आना, बधाई दो और विक्की विद्या का वो वाला वीडियो शामिल हैं। इस खबर में हम आपको राजकुमार राव की उन फिल्मों के बारे में बता रहे हैं जिनमें उन्होंने दूल्हे के अलावा दूसरे किरदार निभाए हैं।

भीड़

साल 2023 में रिलीज हुई फिल्म भीड़ में कोरोना महामारी के बाद उपजे हालात को दिखाया गया है। फिल्म में दिखाया गया है कि कोविड-19 महामारी के दौरान एक पुलिस अधिकारी को प्रवासी श्रमिकों को सीमा पार करने से रोकने का काम सौंपा गया है। पुलिस वाला जब लोगों की पीड़ा को देखता है तो वह लोगों की मदद करने लगता है। पुलिस अफसर के किरदार को राजकुमार राव ने अच्छे से निभाया है।

छलांग

साल 2020 में रिलीज हुई फिल्म छलांग एक स्पोर्ट्स कॉमेडी ड्रामा है। फिल्म में राजकुमार राव ने एक खेल अध्यापक की भूमिका निभाई है। फिल्म में वह एक आलसी प्रशिक्षक हैं, जो नौकरी में बने रहने के लिए न्यूनतम काम करते हैं। फिल्म में तब मजा आता है जब एक नया शिक्षक उनकी नौकरी और उनसे प्यार करने वाली महिला को छीनने की धमकी देता है। फिर राजकुमार राव एक्शन मोड में आते हैं।

न्यूटन

साल 2017 में रिलीज हुई फिल्म न्यूटन में राजकुमार राव ने रिटर्निंग ऑफीसर का किरदार निभाया है। फिल्म में राजकुमार राव को एक ऐसे इलाके में चुनाव की ड्यूटी के लिए भेजा जाता है जो राजनीतिक रूप से बहुत संवेदनशील है। राजकुमार राव अपनी ड्यूटी बखूबी निभाते हैं। फिल्म में पंकज त्रिपाठी ने अच्छी आदाकारी की है। फिल्म को फिल्मफेयर अवॉर्ड्स और नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स के अलावा कई दूसरे अवॉर्ड्स भी मिले थे।

अलीगढ़

साल 2016 में रिलीज हुई फिल्म अलीगढ़ एक प्रोफेसर पर आधारित थी। फिल्म में मनोज बाजपेयी अहम किरदार में थे। इस फिल्म में राजकुमार राव ने एक पत्रकार की भूमिका निभाई थी। यह फिल्म अलीगढ़ यूनिवर्सिटी के मराठी भाषा के प्रोफेसर डॉ. श्रीनिवास रामचन्द्र सिरस पर आधारित थी। फिल्म में दिखाया गया है कि एक प्रोफेसर जिसकी फीलिंग दूसरे लोगों से अलग थी, उन्हें कितनी दिक्कतें हुईं। फिल्म में राजकुमार राव एक सच्चे पत्रकार की भूमिका निभाते हैं।

शाहिद

साल 2012 में रिलीज हुई फिल्म शाहिद एक वकील की कहानी पर आधारित थी। शाहिद आजमी जिन पर पूर्व आतंकवादी कार्यकर्ता का इल्जाम लगता है, वह बाद में एक वकील बन जाते हैं। वह उन लोगों के लिए न्याय पाने के लिए लड़ते हैं, जिन्हें आतंकवाद के झूठे आरोप में दोषी ठहराया गया है। इस किरदार को राजकुमार राव ने बखूबी निभाया है। फिल्म की खूब सराहना हुई थी।

वन फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट में सिद्धार्थ संग शामिल हुईं तमन्ना

बॉलीवुड अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा की आगामी फिल्म वन फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट एक पौराणिक थ्रिलर फिल्म है, जिसको शॉर्ट में वीवन नाम दिया गया है। इस फिल्म में अब सिद्धार्थ संग एक साउथ अभिनेत्री की एंट्री हुई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग जून 2025 में शुरू होगी और यह फिल्म 2026 में जाकर रिलीज होगी। इस फिल्म में तमन्ना एक महत्वपूर्ण और दमदार किरदार निभाएंगी। वह सिद्धार्थ के साथ मिलकर मध्य भारत की पौराणिक कहानियों की दुनिया को पर्दे पर लाएंगी। इसके लिए दोनों कलाकार प्रशिक्षण भी लेंगे।

स्वामिधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक सुषमा शर्मा द्वारा दिव्य ऑफसेट प्रिंटर्स, बी-1422 दुर्गा मंदिर, न्यू अशोक नगर, नई दिल्ली-110096 से मुद्रित कराकर बी-5/184, रोहिणी सेक्टर-11 नई दिल्ली से प्रकाशित।
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन एवं प्रकाशन के उत्तरदायी। RNI No-DELHI/2013/49678, संपर्क 8826286868,9213772002, 9971846109, 011-49846988